छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मई-जून 2014 ▪ वर्ष-10

5 जून
विश्व पर्यावरण दिवस

वन में वृक्षों का वास
रहने दें. झील झरनों
में सॉस रहने दें.

वृक्ष होते हैं वस्त्र
जंगल के छीन मत
ये लिबास रहने दे

वृक्ष पर घोंसला है
चिड़िया का तोड़ मत
ये निवास रहने दे

पेड़ पौधे चिराग हैं
वन के वन में बाकी
उजास रहने दे.

वन विलक्षण विधा
है कुदरत की इस
अमानत को खास
रहने दे.

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. विद्युत कं. मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मई-जून 2014 ▪ वर्ष-10

संरक्षक

- **श्री शिवराज सिंह**
  अध्यक्ष
- **श्री सुबोध सिंह**
  प्रबंध निदेशक (वितरण / ट्रेडिंग कं. मर्या.)
- **श्री जनार्दन कर**
  प्रबंध निदेशक (उत्पादन कं. मर्या.)
- **श्री विजय सिंह**
  प्रबंध निदेशक (पारेषण कं. मर्या.)
- **श्री अनूप कुमार गर्ग**
  प्रबंध निदेशक (होल्डिंग कं. मर्या.)
- **श्री पी.के. अग्रवाल**
  कार्यपालक निदेशक (मा.सं.)
- **श्री अजय श्रीवास्तव**
  अति. महाप्रबंधक (मा.सं.)

संपादक

- **श्री विजय कुमार मिश्रा**
  उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)

सहयोग

- **श्री जाबीर मोहम्मद कुरेशी**

छायाकार

- **श्री संजय टेम्भे**

पता :
संपादक : संकल्प
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं. मर्या.
डंगनिया रायपुर, छत्तीसगढ़
e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

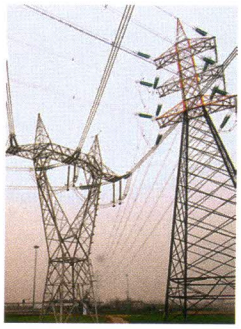
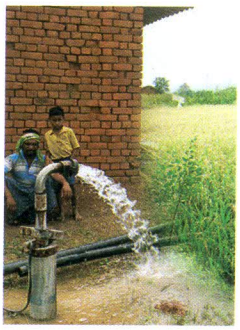

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कम्पनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	जून 2014
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	2286 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	2424.76 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	..... मेगावॉट	1064.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब केंद्रों की संख्या	27 नग	84 नग
अति उच्चदाब लाइों की संख्या	5205 सर्किट कि.मी.	10340 सर्किट कि.मी.
33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	888 नग
33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	17273 सर्किट कि.मी.
11/04 के.व्ह. उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	99833 नग
11 के.व्ही. लइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	82553 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	146500 कि.मी.
केपेसिटर स्थापित	94 एमव्हीआर	935 एमव्हीआर
कुल आबाद ग्रामों की संख्या (जनगणना 2011 के अनुसार)	-	19567
विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या	17682	19055
विद्युतीकरण का प्रतिशत	91.00	97.38
विद्युतीकृत मजराटोलो की संख्या	10375	25048
विद्युतीकृत पंपों की संख्या	72400	339385
एकलबत्ती कनेक्शन	630389	1554022

संपादकीय

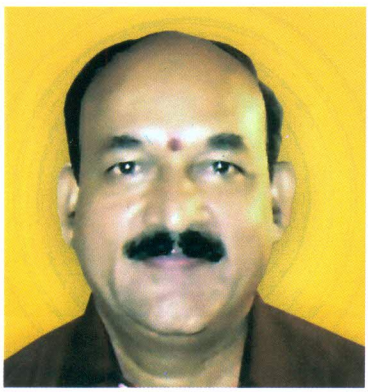

सेहतमंद जिंदगी के मालिक बनें

बिगड़ता पर्यावरण और बढ़ती सड़क दुर्घटना इन दो मुद्दों से पूरा जून माह भयाक्रांत रहा। 05 जून विश्व पर्यावरण दिवस और इसके दो दिन पूर्व देश की राजधानी दिल्ली में हुई एक बड़ी सड़क दुर्घटना ने जन जन के बीच इन मुद्दों को गंभीर चिन्तन मनन का विषय बना दिया। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो 2014 के प्रतिवेदन के मुताबिक किसी भी प्रकार के रोग व्याधि से कहीं ज्यादा सड़क दुर्घटनाओं के कारण काल के गाल में समाने वालों की संख्या अधिक है।

सड़क और वाहन ऐसे साधन-सुविधा हैं जिसने मानव जीवन को सुगम बनाने के साथ साथ दैनिक दिनचर्या में प्रगति और गति दोनों की सीमा को कई गुना बढ़ा दी है। तेज और तेज, जल्दी और जल्दी की नीति के मकड़जाल में फंसता मानव समुदाय सड़क और वाहन के नियम कायदे तथा पर्यावरण-प्रदूषण के संरक्षण एवं नियंत्रण के प्रति अपने कर्त्तव्य-दायित्व को भूलता जा रहा है। जबकि नियम कायदे विकास और उन्नति के मूल में ही नीहित होते हैं। मूल के भूल के ही दुष्परिणाम विविध प्रकार की दुर्घटनाओं के रूप में आये दिन परिलक्षित हो रहे हैं। स्वयं की असावधानी तथा नियमों की अनदेखी करते हुये दुर्घटनाग्रस्त ज्यादातर लोग सड़कों को ही दुर्घटना का कारण बताते हैं। ऐसी मान्यताओं को खारिज करते हुये विश्व स्वास्थ्य संगठन की ताजा रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में सबसे अधिक सड़क दुर्घटना भारतीय सड़कों पर होती है। इन सड़क दुर्घटनाओं में केवल 1.5 फीसदी ही दोष सड़कों का होता है शेष कारण वाहन चालकों की किसी न किसी प्रकार की भूलचूक होती है।

गली कूचों में ऋण देने वाली संस्थाओं की भरमार और शान-शौकत एवं विलासितापूर्ण जिंदगी की लालसा के साथ ही जल्दी से जल्दी सब कुछ पा लेने की होड़ ने मानव समुदाय की आंखों पर पर्दा डाल दिया है। लोन को लोग इस तरह ले रहे हैं मानों मुफ्त में मुंहमांगी मुराद पूरी हो रही हो। सड़कों पर बढ़ती वाहनों की संख्या का यह एक प्रमुख कारण है। भारत में जिस रफ्तार से 2-4 पहिये वाहनों की खरीदी बढ़ने के साथ साथ वाहनों की गति में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। वह भविष्य में निरन्तर बढ़ने वाली भयावह सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को उजागर कर रही है। एक जमाना था, जब पर्यावरण संरक्षण और सेहत के प्रति सचेत व्यक्ति अधिकाधिक साईकिल का उपयोग करता था। गाड़ियों की सहज उपलब्धता के बावजूद बात बात में गाड़ियों के इस्तेमाल से परहेज करता था, पर आज वाहनों के बढ़ते उपयोग या कहें दुरूपयोग ने समूचे वातावरण को कलुषित कर दिया है। किशोरवय बच्चों को मंहगी मंहगी रेसर बाईक देकर अभिभावकगण सड़क दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रहे हैं। साथ ही डीजल, पेट्रोल की बढ़ती खपत से प्रकृति भी आहत हो रही है। ऐसा करना स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की दृष्टि से घातक है। विकास के नाम पर वृक्षों की बेतहाशा कटाई से बेलिबास होती धरती रोज भारी भरकम गाड़ियों का बोझ अपने सीने पर सह रही है। सड़कों पर तेज वाहनों की घरघराहट के बीच धरा की कराह नक्कारखाने में तूती की आवाज की तरह हो गई है।

अधिकांश वाहन चालकों के पास इस बात की समझ भी नहीं है कि सड़क में नियम और अनुशासन का पालन करते हुये वाहन चलाना एक कौशल है। सड़क में सुरक्षित चलने के लिये भी एक संस्कृति (ट्रैफिक सेन्स) का ज्ञान होना आवश्यक है। इसके बिना सड़क पर सुरक्षित जीवन को सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। सुरक्षा की दृष्टि से छत्तीसगढ़ में वाहन चालन के समय हेलमेट को अनिवार्य किया गया है। विद्युत संयंत्रों में भी कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों के लिये हेलमेट का उपयोग अनिवार्य है। ऐसे सुरक्षा के उपायों को आदत में शुमार कर लें तो शून्य दुर्घटना- सुरक्षित जीवन को सभी साकार कर सकते हैं। इसी तरह प्रकृति संरक्षण के प्रति छोटी-छोटी जागरूकताओं को अमल में लाकर स्वच्छ पर्यावरण के साथ सेहतमंद जिंदगी के मालिक बन सकते हैं। सुरक्षित जीवनयात्रा को बनाए रखने हेतु सुने, कोई गुनगुना रहा है

जरा हौले-हौले चलो मोरे साजना
हम भी पीछे हैं तुम्हारे....

E.I.T.C. RAIPUR (C.G.) C.S.P.D.C. LTD.

(विजय मिश्रा)

गांव-गांव में बिजली पहुंची घर-घर हुआ उजाला

छत्तीसगढ़ के 97.38 प्रतिशत गांवों तक पहुंची बिजली

छत्तीसगढ़ राज्य के गठनोपरांत 'गांव-गांव में बिजली पहुंचे, घर-घर हो उजाला'' का लक्ष्य लिये छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत संस्थान द्वारा ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। शहरों की भांति सुदूर ग्रामीण अचंलों मजरा-टोलों एवं गरीब परिवारों के घरों तक बिजली की सुविधा मुहैया कराने अनेक योजनायें आरंभ की गई। योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रगति की सतत् समीक्षा विद्युत वितरण संकाय से जुड़े उच्चाधिकारियों द्वारा भी की गई। फलस्वरूप आज छत्तीसगढ़ के 97.38 प्रतिशत गांवों तक बिजली पहुंच गई है।

राज्य गठन के पूर्व गांवों में विद्युत कटौती आम बात थी, जबकि आज गांव गांव तक समुचित वोल्टेज के साथ ही निर्बाध विद्युत की आपूर्ति छत्तीसगढ़ राज्य की पहचान बन गई है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में कुल आबाद ग्रामों की संख्या 19567 है जिसमें से 19055 गांवों का विद्युतीकरण कर लिया गया है। राज्य गठन के समय विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या 17682 थी।

ग्रामीण विद्युतीकरण कार्य में गति लाने वितरण कंपनी द्वारा परंपरागत तरीकों के साथ ही गैर परांपरागत तरीकों से विद्युतीकरण कार्यक्रम में तेजी लाई गई। क्रेडा द्वारा भी गैरपरांपरागत तरीके से बिजली पहुंचाने के लक्ष्य को अर्जित करने में उल्लेखनीय योगदान दिया गया। वितरण कंपनी द्वारा 18208 गांव तक परंपरागत तरीके से तथा 39 ग्रामों में गैरपरंपरागत तरीके से बिजली पहुंचाई गई। वहीं क्रेडा द्वारा प्रदेश के 808 ग्रामों तक गैर परंपरागत तरीके से बिजली पहुंचाने का सफल प्रयास किया गया।

प्रदेश में ग्रामीण विद्युतीकरण के कार्यक्रमों में युद्धस्तर पर कार्य संपन्न करने का ही सुपरिणाम है कि प्रदेश के 27 में से 12 जिलों को शतप्रतिशत विद्युतीकृत जिले होने का गौरव प्राप्त है। इनमें रायपुर, बलौदाबाजार, धमतरी, महासमुंद, दुर्ग, बालौद, बेमेतरा, बिलासपुर, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, कोरबा, रायगढ़, शामिल है। इनके अलावा गरियाबंद, राजनांदगांव, कोरिया, बस्तर, दंतेवाड़ा, कांकेर, सरगुजा, सूरजपुर, कबीरधाम, कोण्डागांव, बलरामपुर सहित कुल 11 ऐसे जिले हैं जो शतप्रतिशत विद्युतीकृत होने के काफी करीब है।

सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर, जशपुर, ये 04 ऐसे जिले हैं जहां कि वनबाधा जैसे महत्वपूर्ण कारणों से विद्युतीकरण कार्य में अड़चनें हैं। इनका निराकरण करने उच्चस्तरीय प्रयास जारी हैं। माह जून 2014 की स्थिति में प्रदेश के 512 ग्रामों का विद्युतीकरण कार्य शेष है, अर्थात मात्र 2.62 गांव का विद्युतीकरण शेष है। राज्य शासन की नीति के अनुरूप गांव गांव तक बिजली पहुंचाने विद्युत कंपनी की ईमानदार कोशिश से अब वह दिन दूर नहीं है जब कहा जा सकेगा-गांव गांव में बिजली पहुंची, घर घर हुआ उजाला।

प्रदेश के दूरस्थ अचंलो के मजरा-टोलों तक बिजली पहुंचाने के मामलें में भी वितरण कंपनी द्वारा रिकार्ड तोड़ कार्य पूर्ण किये गये हैं। नवम्बर 2000 में राज्य गठन के समय जहां 10375 मजरा-टोले ही विद्युतीकृत थे, वहीं आज विद्युतीकृत मजरा-टोलों की संख्या 25048 तक जहा पहुंची है। इसी तरह गरीब परिवारों के घरों में बिजली पहुंचाने हेतु प्रदेश में एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या 1545022 तक जा पहुंची है, जबकि नवम्बर 2000 में एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या महज 630389 ही थी। मजरा-टोलो का विद्युतीकरण एवं एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या में हुई बढ़ोत्तरी प्रदेश में हुये ऐतिहासिक विद्युत विकास के जीवंत प्रमाण है।

छत्तीसगढ़ सहित पश्चिम क्षेत्रीय राज्यों में विद्युत उपलब्धता बेहतर

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण नई दिल्ली के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रेल से मई महीने के दौरान देश के अधिकांश राज्यों में विकट विद्युत संकट छाया रहा। 10 से 12 घण्टे तक की बिजली कटौती के चलते विद्युत संकटग्रस्त राज्यों के सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को भारी मुश्किलों का सामना करना पडा। ऐसे कठिन दौर में भी छत्तीसगढ़ सहित पश्चिम क्षेत्रीय राज्यों में विद्युत की स्थिति काफी अच्छी बनी रही। पश्चिम क्षेत्रीय राज्यों के बिजली उत्पादन में सोलह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बिजली उत्पादन हेतु निर्धारित लक्ष्य और अर्जित उपलब्धियों के संबंध में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश के पॉचों क्षेत्र में संचालित बिजली संयंत्रों ने कुल 45702 अरब यूनिट बिजली का उत्पादन किया, जो कि बीते वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 23 अरब यूनिट कम है।

देश की विद्युत व्यवस्था को सुनियोजित ढंग से संचालित करने हेतु पॉच क्षेत्रों में विभक्त किया गया है, जो कि पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र कहलाते हैं। अप्रेल से जून माह तक तापमान में होने वाली वृद्धि के संग विद्युत की मांग में बढ़ोत्तरी का आंकलन करते हुये इन क्षेत्रों के विद्युत उत्पादक संस्थानों के लिये लक्ष्य निर्धारित किये गये थे। लक्ष्य के विरूद्ध विद्युत उत्पादन का विवरण निम्नानुसार रहा-

क्षेत्र	लक्ष्य	उत्पादन
उत्तर	46496.28	45702.91
पश्चिम	**56940.00**	**63832.26**
दक्षिण	35931.00	37675.15
पूर्व	27282.00	27863.61
उत्तर-पूर्व	1187.00	1405.25

विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधाओं सहित राजस्व वसूली में इजाफा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा तीव्र विद्युत विकास के साथ ही उपभोक्ताओं को बिजली बिल जमा कराने हेतु नई नई सुविधायें मुहैया कराई गई है। उपभोक्ताओं की सुविधा में इजाफा करते हुये कंपनी ने अपनी आर्थिक सुदृढ़ता को मजबूत करने हेतु भी अनेक कारगर कदम उठाये, फलस्वरूप प्रदेश के अनेक वितरण केन्द्रों में बकाया राशि की वसूली शतप्रतिशत करने का कीर्तिमान बनाया गया। बीते वर्षों में प्रतिवर्ष बकाया राशि में बढ़ोत्तरी होती रही है, इस ट्रेंड को बदलते हुये कंपनी प्रबंधन ने बकाया राशि में कमी लाने का एक उत्साहजनक परिणाम को प्रदर्शित किया है। इसे बनाये रखने हेतु वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह ने बकाया वसूली में पिछड़ने वाले संभागों को कार्य में तेजी लाने के कड़े निर्देश दिये। उन्होंने बिजली चोरी, विद्युत के अवैध कनेक्शन को रोकने हेतु आकस्मिक जांच को प्रदेश भर में चलाने पर बल दिया।

उपभोक्ता सुविधा में वृद्धि करने हेतु वितरण कंपनी द्वारा समूचे प्रदेश में अत्याधुनिक विद्युत प्रणालियों की स्थापना के चरणबद्ध कार्य पूर्ण किये जा रहे हैं। ऐसे प्रगति के दौर में विद्युत बकाया राशि को कम करना कंपनी की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसे अर्जित करने हेतु उठाये गये कारगर कदमों के प्रयासों का ही सुफल है कि 31 मार्च 2014 की स्थिति में आमासिवनी, तिल्दा, नवापारा राजिम, खोपरा, आमदी, सिहावा, कोर्रा, बलौदा बाजार (शहर), पलारी, पुरूर, झलमला एवं करहीबदर ऐसे वितरण केन्द्र हैं जहां कि बकाया राशि शून्य है। इसी तरह उरला, सिलतरा, दुर्ग (संचारण-संधारण) संभाग, भिलाई शहर पश्चिम, राजनांदगांव, खैरागढ़, बालोद, राजिम, डोंगरगांव एवं नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर ऐसे संभाग है, जहां बकाया राशि 20 लाख रूपये या उससे कम है।

पॉवर वितरण कंपनी द्वारा प्रदेश के ऐसे बकायादार उपभोक्ताओं के लिये भी विशेष पहल करते हुये ''सुविधा योजना'' आंरभ की गई थी। इस योजना के अन्तर्गत बकायादार उपभोक्ताओं द्वारा एकमुश्त अथवा बकाया राशि का किस्तों में भुगतान करने की शर्तों पर अधिभार को माफकरते हुये विच्छेदित कनेक्शन पुनः जोड़ा गया। प्रदेश के सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं हेतु सहजतापूर्वक विद्युत देयकों का भुगतान करने पॉवर कंपनी के कैश काउन्टर सहित ए.टी.पी.मशीन, एसबीआई एटीएम मशीन, इंटरनेट, आरटीजीएस, एन.ई.एफ.टी. एवं पे-प्वाइंट आदि प्रबंध किये गये हैं। इन सुविधाओं से उपभोक्तागण सहजता के साथ अपने विद्युत देयकों का भुगतान कर रहे हैं, जिससे राजस्व वसूली लक्ष्य को अर्जित करने में बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। वित्तीय वर्ष 2013-14 की बकाया राशि रूपये 323 करोड़ से घटकर 319 करोड़ तक जा पहुंची है।

प्रदेश में बढ़ते भीषण गर्मी के दौर में भी विद्युत की समुचित आपूर्ति वितरण कंपनी द्वारा सतत् की जा रही है। ऐसे दौर में मैदानी अमले को भी सतत विद्युत आपूर्ति करने तथा किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा से जूझने के लिये तत्पर एवं सचेत रहने के निर्देश भी दिये गये हैं। वर्षा पूर्व विद्युत प्रणाली, लाईनों एवं उपकेन्द्रों के रखरखाव संबंधी कार्यों को भी पूर्ण करने की हिदायत दी गई है। इसी क्रम में उपभोक्ताओं से बकाया राशि का भुगतान करने का अनुरोध भी वितरण कंपनी द्वारा किया गया है।

विद्युत दरों में लगभग 15 प्रतिशत औसत वृद्धि

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2014-15 के लिये विद्युत की दरों का पुनरीक्षण किया गया है, जो कि 01 जुलाई 2014 से प्रभावशील है. राज्य शासन द्वारा वितरण कंपनी को 465 करोड़ की सब्सिडी देकर उपभोक्ताओं के ऊपर बढ़ने वाले विद्युत दर के बोझ को न्यूनतम करने का प्रयास किया गया है. फलस्वरूप विद्युत दरों में लगभग 15 प्रतिशत औसत की ही बढ़ोत्तरी हुई है. इस बढ़ोत्तरी के बावजूद छत्तीसगढ़ में घरेलू विद्युत की दर मध्यप्रदेश, उड़ीसा, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, गुजरात की तुलना में काफी कम है, जो कि निम्न ऑकड़ों से स्वमेव स्पष्ट है-

विद्युत की खपत (इकाई में)	मध्यप्रदेश (₹)	उड़ीसा (₹)	आंध्रप्रदेश (₹)	महाराष्ट्र (₹)	उत्तरप्रदेश (₹)	गुजरात (₹)	छत्तीसगढ़ (₹)
100	428	395	293	466	700	363	270
200	1443	795	819	1071	1100	788	540
300	1923	1295	1482	1676	1550	1048	950
400	2483	1795	2220	2468	2000	1568	1360
500	3003	2335	3008	3260	2450	2048	1770

विदित हो कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 2012 से अभी तक विद्युत उपभोक्ताओं की दर में कोई वृद्धि नहीं होने के कारण विद्युत वितरण कंपनी को राजस्व की भारी कमी हो रही थी. जिससे कंपनी पॉवर परचेज तथा ट्रांसमीशन चार्ज आदि का समय पर भुगतान नही कर पा रही थी. कंपनी के सुचारू संचालन एवं उपभोक्ताओं को सतत् गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु कंपनी की आवश्यकता के अनुरूप आर्थिक सुदृढ़ता के लिये विद्युत की दरों में आंशिक एवं वाजिब वृद्धि अपरिहार्य हो गई थी.

विद्युत आपूर्ति की लागत में भी लगातार निम्नलिखित कारणों से वृद्धि हो गई थी-

- राज्य विद्युत उत्पादन कपंनी एवं एनटीपीसी से विद्युतक्रय लागत में लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.
- अन्तरराज्यीय विद्युत पारेषण में लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.
- विद्युत क्रय लागत जो कि कुल लागत का लगभग 80 प्रतिशत है, में वृद्धि प्रमुखता कोयला, पेट्रोलियम जैसे पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के परिणामस्वरूप हुई है, जबकि पारेषण एवं अन्य आपूर्ति लागत इस हेतु प्रयुक्त सामग्रियों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण हुई है.
- उपरोक्त सभी कारणों के परिणामस्वरूप विद्युत दरों में केवल एक वर्ष की राजस्व आवश्यकता के अनुसार 28 प्रतिशत की वृद्धि अपेक्षित थी, जिसे माननीय नियामक आयोग द्वारा पुनरीक्षत कर 23 प्रतिशत वृद्धि को ही आवश्यक समझा.

राज्य शासन ने भी एक साथ इतनी भारी वृद्धि के प्रभाव को कम करने के लिए तथा आम उपभोक्ताओं को राहत देने के लिये 465 करोड़ रूपये की सब्सिडी प्रदान कर विद्युत दरों की वृद्धि को 28 प्रतिशत के बजाय 15 प्रतिशत तक सीमित कर दिया. इस वृद्धि के उपरांत भी राज्य के सर्वाधिक उपभोक्ताओं (घरेलू उपभोक्ता) के लिये प्रयुक्त विद्युत दर अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है.

कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह में अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया

कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह में आयोजित अग्निशमन सेवा सप्ताह का समापन समारोह 14 अप्रैल को मुख्य अभियंता श्री एस.के.बंजारा के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) श्री एस.एस. टिल्लू के विशिष्ट आतिथ्य तथा अधीक्षण अभियंता (सेवाय) श्री बी.बी.पी.मोदी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ.

मुख्य अतिथि श्री.बंजारा ने कहा कि राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह अग्निशमन उपकरणों की जानकारी, अग्निशमन दुर्घटना के प्रति सजगता एवं अग्नि दुर्घटना की रोकथाम के संबंध में जागरूकता लाने की दृष्टि से आयोजित किया जाता है. इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि श्री टिल्लू ने कहा कि छोटी-छोटी सावधानियों एवं सतर्कता से भयावह अग्नि दुर्घटना को रोका जा सकता है इसके लिए हम सबकों मिलकर प्रयास करना चाहिये.

अग्निशमन अधिकारी श्री आर.ए.पटेल के द्वारा आयोजन के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम आयोजक श्री.मोदी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों का प्रचालन विधि का प्रशिक्षण सही ढंग से लेने पर जोर दिया.

अग्निशमन नारा लेखन प्रतियोगिता में पन्नालाल साहू प्रथम, घनश्याम साहू द्वितीय तथा अग्निशमन कविता लेखन के लिए ओमप्रकाश मिश्रा प्रथम, संदीप तिवारी द्वितीय पुरस्कार के हकदार बने. अग्निशमन प्रशिक्षण कार्यक्रम में सर्वाधिक प्रतिभागिता के लिए बीएमडी-2 प्रथम एवं ईएमडी-2 को द्वितीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया. इसके अतिरिक्त पंम्ड्रील के लिए विजय कुशवाहा, बी.एल. राठौर, इरफान अली, विरेन्द्र चौहान एवं मो.असलम को प्रथम तथा राजेन्द्र सिंह परस्ते, पीटी.लकरा, डिगेश्वर साहू, प्रमोद साहू, एवं चन्द्रकिशोर को द्वितीय पुरस्कार दिया गया. कार्यक्रम एवं प्रश्न मंच का संचालन एस.पी. बारले, वरि. कल्याण अधिकारी तथा आभार प्रदर्शन ए.डी.गौरी संरक्षा अधिकारी द्वारा किया गया.

छ.रा. पॉवर वितरण कंपनी में मोबाइल शार्ट कोड एस.एम.एस. सेवा प्रारंभ

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कपंनी ने उपभोक्ता सेवाओ का विस्तार करते हुए विद्युत उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल शार्ट कोड एस.एम.एस. सेवा प्रारंभ की है. इस सेवा के माध्यम से विद्युत उपभोक्ता मोबाइल से निर्धारित शार्ट कोड टाइप कर 56161 पर एस.एम.एस. करके अपने नवीनतम बिल/भुगतान की जानकारी एस.एम.एस. के माध्यम से प्राप्त कर सकते है अथवा अपने मोबाइल नं. का रजिस्ट्रेशन कर सकते है. प्रत्येक शार्ट कोड एस.एम.एस. का शुल्क रू. 3/- है जो उपभोक्ता के द्वारा देय होगा. उपभोक्ता को रजिस्टर्ड मोबाइल नं. पर भविष्य में मासिक बिल, भुगतान शिकायत पंजीयन/ निराकरण संबंधित जानकारियां एस.एम.एस के माध्यम से निशुल्क भेजी जाएगी.

इसके अतिरिक्त रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई, राजनांदगॉव, डोंगरगढ, भाटापारा, चरौदा तथा कवर्धा शहरों के विद्युत उपभोक्ता मोबाइल से शार्ट कोड CSPDCL FOC <BP NO.> टाइप कर 56161 पर एस.एम.एस. करके बिजली बंद होने की शिकायत दर्ज करा सकते है. प्रारंभ किए गए शार्ट कोड की जानकारी प्राप्त करने के लिए मोबाइल से CSPDCL PULLSMS टाइप कर 56161 पर एस.एम.एस. करें. प्रारंभ किए गए मोबाइल शार्ट कोड निम्नलिखित है :

(1) CSPDCL BILL <BP NO.>
(2) CSPDCL PAY <BP NO.>
(3) CSPDCL DUE <BP NO.>
(4) CSPDCL REG <BP NO.>
(5) CSPDCL FOC <BP NO.>
(6) CSPDCL PULLSMS
(7) CSPDCL HELP

कोरबा पूर्व में विश्व पर्यावरण दिवस

कोरबा पूर्व द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर सीनियर क्लब में गृहणियों एवं बच्चों के लिए पर्यावरण संरक्षण पर विशेष परिचर्चा, प्रश्नमंच एवं बच्चों के लिए विविध वेशभूषा का आयोजन प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती निवेदिता बंजारा, उपाध्यक्षा श्रीमती शकुन्तला कंवर एवं श्रीमती साधना दुबे के आतिथ्य में किया गया.

पर्यावरण दिवस पर मुख्य अभियंता द्वय सर्वश्री एस.के.बंजारा, एस.एस.टिल्लु अति.मुख्य अभियंता श्री अनिल व्यास के आतिथ्य तथा डॉ.जी.पी.दुबे वरि.मुख्य रसायनज्ञ की अध्यक्षता में किया गया. कोरबा पूर्व के रसायनज्ञ शैलेन्द्र शुक्ला द्वारा पावर पाइंट के माध्यम से विश्व पर्यावरण संरक्षण के विषय ''समुद्री जल स्तर ऊंचा न हो आवाज उठायें'' पर प्रस्तुति दी गई.

इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री बंजारा ने कहा कि हरी भरी धरती एवं हरियाली हमारे जीवन का आधार है. ऑक्सीजन का मुख्य स्त्रोत पेड़े पौधे है शिसकी रक्षा कर हम प्रकृति को बचा सकते है. संयंत्र कार्मिक होने के नाते प्रदूषण नियंत्रण के कारगार उपाय करना हम सबकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिये. श्री टिल्लू ने कहा कि पेड़े पौधे का सरंक्षण हमारे भारतीय परम्परा का अंग है. जिसका परिपालन करते हुए हमें पर्यावरण संरक्षण के दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए. वरि.मुख्य रसायनज्ञ डॉ.जी.पी.दुबे ने कहा कि जलवायु का असंतुलन प्राकृतिक आपदा का कारण है अतः जल,जंगल जमीन की सुरक्षा के लिए संकल्पित होकर काम करें. श्री ए.व्ही.कुलकर्णी ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए सभी को मिलजूल कर प्रयास करने का आव्हान किया.

कार्यक्रम के प्रांरभ में रामस्नेही आयंगर, भूमेश सिंह खण्डाते, मंगलूराम एवं साथियों के द्वारा पर्यावरण से संबंधित सुमधुर गीत प्रस्तुत किया गया. निर्णायक की भूमिका एस.पी.बारले वरिष्ठ कल्याण अधिकारी एवं उपाध्यक्ष हिन्दी परिषद एवं श्रीदत्त शुक्ल सचिव हिन्दी परिषद ने किया. नारा प्रतियोगिता के निर्णायक श्रीदत्त शुक्ल एवं श्री बारले ने नीरक्षीर निर्णय देते हुये में कार्मिक वर्ग से चेतनलाल वर्मा-प्रथम, जे.के. शांडिल्य-द्वितीय, के.के. त्रिपाठी-तृतीय अधिकारी वर्ग में एस.आर. धुर्वे-प्रथम, पी.एल. साहू-द्वितीय एवं राजेन्द्र कुलकर्णी-तृतीय तथा ठेका श्रमिकों में भवानी-प्रथम, संदीप तिवारी-द्वितीय एवं खेमलाल राठौर को तृतीय पुरस्कार के योग्य ठहराया. पर्यावरण कविता प्रतियोगिता में रमेश कुमार-प्रथम, विजय मेहरा-द्वितीय एवं ओमप्रकाश को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम का संयोजन डॉ.एन.के.पाण्डेय मुख्य रसायनज्ञ तथा संचालन श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव ने किया. वृक्षारोपण कार्यक्रम एस.पी. द्विवेदी, वरि. उद्यान अधिकारी एवं एम.एम.अंसारी के द्वारा सम्पन्न कराया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में वरि.कल्याण अधिकारी एस.पी.बारले, वरि.रसायनज्ञ गोवर्धन सिदार, पाली रसायनज्ञ के.डी. दिवान, श्रीमती रश्मी साहू, शैलेन्द्र शुक्ला,के.के.त्रिपाठी एवं सनत कुमार सिदार का सहयोग सराहनीय रहा.

अंतरराज्यीय लान टेनिस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ की टीम को कांस्य पदक

39वीं अन्तर विद्युत मंडलीय लानटेनिस स्पर्धा का आयोजन आन्ध्रप्रदेश विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी के तत्वावधान में दिनांक 19 से 22 मई 2014 तक विजयवाड़ा (आंध्रप्रदेश) में किया गया. इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्य विद्युत मण्डल/कंपनी की कुल 12 टीमों ने अपनी हिस्सेदारी दी. स्पर्धा में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी की टीम के सदस्यों में सर्वश्री भूपेन्द्र कुमार साव, आर.के.बंछोर, विजय कुमार विश्वकर्मा एवं सतीश कुमार शर्मा ने हिस्सा लिया. स्पर्धा के ओपन डबल्स में छत्तीसगढ़ की टीम के सदस्यों में शामिल श्री भूपेन्द्र कुमार साव एवं श्री सतीश कुमार शर्मा ने उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुये कांस्य पदक हासिल किया. बधाई

रायपुर में बिजली कर्मियों हेतु तनाव मुक्ति विषयक प्रशिक्षण शिविर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित रायपुर के नगर वृत्त-दो में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य पर केन्द्रित दो दिवसीय कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सुरक्षा, तनाव मुक्ति, समय प्रबंधन, मोटिवेशन, मानवीय भूलों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने जैसे विषयों पर जानकारी दी गई.

प्रशिक्षण के समापन समारोह में मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक श्री एम.एल. मिश्रा ने कहा कि, बिजली कर्मियों का जीवन मूल्यवान है. दिन-रात प्रदेश विकास एवं उपभोक्ता सेवा में विद्युत कर्मियों को कार्य के दौरान अनेक जोखिम भरे कार्य भी करने होते हैं. ऐसे कार्यों को दुर्घटना रहित संपादन करने तथा कर्मियों में दक्षता लाने का कार्य प्रशिक्षण के माध्यम से बेहतर तरीके से हो पाता है. अन्य शब्दों में कहें तो प्रशिक्षण का महत्व लालटेन के कांच में जमीं धुंयें की कालिख को साफकरने जैसा होता है.

शिविर के समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय निदेशक केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल रायपुर श्रीमती किरण मलिक खत्री और सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक (औसं) श्री रघुबर दयाल सिंह थे. विशिष्ट अतिथि श्रीमती खत्री ने कार्यक्षेत्र में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण का निर्माण कर कठिन से कठिन कार्य को हंसते हुए सम्पादित करने का गुर बताया. विशिष्ट अतिथि श्री सिंह ने कार्य-स्थल पर खुशनुमा वातावरण तैयार कर कार्य को अंजाम तक पहुँचाने का मंत्र प्रशिक्षणार्थियों को दिया.

श्रम कल्याण भवन गुढ़ियारी रायपुर में 01-02 मई 2014 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम उप महाप्रबंधक (औसं) श्री गोपाल खण्डेलवाल के संयोजन में सम्पन्न हुआ. अधीक्षण अभियंता श्री जी.एल.चन्द्रा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दो दिवसीय कर्मचारी विकास प्रशिक्षण में मिली जानकारी को आत्मसात करने और ज्ञान के प्रकाश को अपने कार्य क्षेत्र में अपने निकटस्थ कर्मियों में बांटने की बात कही. केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के श्रमिक शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद एस.धुर्वे और रायपुर क्षेत्र के कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा तनावमुक्त जीवन व शून्य दुर्घटना आधारित दो दिवसीय योग एवं कर्मचारी विकास प्रशिक्षण दिया गया. श्री वर्मा ने इस दौरान योग प्रशिक्षण प्रदान किया.

शिविर में गुढ़ियारी, खमतराई, टाटीबंध, भनपुरी जोन, उरला संभाग तथा सिलतरा संभाग के 35 अधिकारी/कर्मचारी शामिल हुए. शिविर में उपस्थित विशिष्टजनों का स्वागत अधीक्षण अभियंता श्री.चन्द्रा, कार्यपालन अभियंता श्री महावीर विश्वकर्मा, सहित सर्वश्री सुनील अग्रवाल रामजी लाल साहू, योगेश, हेमंत पॉल, मनोहर सिन्हा, रवि शंकर देवांगन, संतोष देवांगन आदि ने किया. आभार प्रदर्शन कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा किया गया.

कोरबा पूर्व में शून्य दुर्घटना एवं तनाव मुक्त औद्योगिक जीवन विषय पर प्रशिक्षण

कोरबा ताप विद्युत गृह, में औद्योगिक संबंध विभाग, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मंडल, रायपुर के तत्वावधान में शून्य दुर्घटना एवं तनाव मुक्त जीवन विषय पर कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रशिक्षण संस्थान में किया गया. प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ कारखाना अधिभोगी श्री एस.के.बंजारा मुख्य अभियंता (उत्पा.) की अध्यक्षता, श्री एस.एस. टिल्लू मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) के मुख्य आतिथ्य तथा डॉ.जी.पी.दुबे,वरि.मुख्य रसायनज्ञ की विशिष्ठ आतिथ्य में किया गया. इसमें कोरबा पूर्व कर्मियों सहित विभिन्न ट्रेड युनियनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मंडल, रायपुर के शिक्षा अधिकारी के.एस.ठाकुर ने मधुर पारिवारिक संबंध, पारिवारिक दायत्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य तथा सकारात्मक सोच आदि विषय के बारे में बताया. इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री बंजारा ने कहा कि परिवार,समाज एवं संयंत्र में सुख समृद्धि एवं शांति के लिये तनाव मुक्त जीवन जीने की आदत डालनी चाहिये. तनाव मुक्त व्यक्ति निरोगी रहते हुए समग्र विकास के लिये संकल्पित होते हैं. मुख्य अभियंता श्री टिल्लू ने कर्मचारियों के विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुये योग,ध्यान तथा साधना से तनाव मुक्ति के मार्ग बताये. वरि.मुख्य रसायनज्ञ डॉ. दुबे ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को कार्यप्रणाली, सहकर्मियों से अच्छे संबंध सदविचार एवं कौशल आदि में वृद्धि का माध्यम बताया. इसी क्रम में मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री आर.एल. ध्रुव, ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का लाभ कारखाना को मिलता है तथा दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है. प्रशिक्षण कार्यक्रम में सर्वश्री एस के झा, जे.के.शांडिल्य, एसके.सोनी एवं चेतन कुमार वर्मा ने प्रशिक्षण के संबंध में अपने विचार रखे. इस कार्यक्रम में देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार की रिसर्च स्कालर छात्राएं कु. प्रज्ञा साहू एवं कु. प्रज्ञा मंडावी ने तनाव मुक्ति विषय पर व्याख्यान दिया. कार्यक्रम के अंत में मुख्य अभियंता प्रशिक्षण श्री टिल्लू ने प्रशिक्षक श्री ठाकूर को स्मृति चिन्ह भेंट किया. प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन एस.पी.बारले, वरि.कल्याण अधिकारी तथा संयोजन के.के. कथुरिया कार्यपालन अभियंता प्रशिक्षण एवं आभार प्रदर्शन प्रतिभागी पी आर चौहान द्वारा किया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में सनत कुमार सिदार तथा महेश्वर दास एवं प्रशिक्षण संस्थान के कर्मियों का सहयोग सराहनीय रहा.

जगदलपुर में अधीक्षण अभियंता (निर्माण) वृत्त के कार्यालयीन कक्ष का उद्घाटन

जगदलपुर में अधीक्षण अभियंता (निर्माण) वृत्त के नवनिर्मित कार्यालयीन कक्ष का उदघाटन 04 जून को श्री आर.बी.त्रिपाठी, मुख्य अभियंता (जगदलपुर क्षेत्र) ने किया. इस अवसर पर निर्माण वृत्त के अधीक्षण अभियंता श्री आई.एल.देवांगन को उन्होंने बधाई व शुभकामनाएं दी. श्री त्रिपाठी ने सिविल संभाग, जगदलपुर द्वारा कराये गये निर्माण व रखरखाव कार्य की सराहना की. उन्होंने कहा कि कार्यों में गुणवत्ता से जहां कर्ता को आत्मसंतोष की प्राप्ति होती है वहीं अन्य अधिकारियों कर्मचारियों के लिए वह प्रेरणादायी बन जाता है.

कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता सर्वश्री पी.एन.सिंह, ए.के.ठाकुर, विजय कपिल, पी.एम.राव, पी.अनिल कुमार एवं प्रशासनिक भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारीगण भी उपस्थित थे.

मुख्य सुरक्षा सैनिक श्री साहू का पद अलंकरण

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कपंनी में कार्यरत श्री घसिया राम साहू को मुख्य सुरक्षा सैनिक के पद पर पदोन्नत किया गया है. नवपदस्थ मुख्य सुरक्षा सैनिक श्री साहू को पदोन्नति उपरांत पॉवर कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री पी.के.अग्रवाल, अति. महाप्रबंधक श्री अजय श्रीवास्तव ने पीपिंग आउट (पदालंकरण अनावरण) कर शुभकामनाएं दी.

इस अवसर पर उपमहाप्रबंधक श्री एस.के.बांधे, मुख्य अग्निशमन सह सुरक्षा अधिकारी श्री सी.एस. ठाकुर, सुरक्षा अधिकारी आर.के.साहू सहित अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों ने बधाई दी.

गरियाबंद संभाग में बिजली कर्मियों हेतु तनाव मुक्त प्रशिक्षण शिविर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित गरियाबंद में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य पर केन्द्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ. प्रशिक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता श्री मनोज कुमार वर्मा ने कहा कि, बिजली कर्मियों का जीवन आपाधापी से भरा है. ऐसे माहौल में जन जन से जुड़ी बिजली से संबंधित कार्यो का निष्पादन कर आम नागरिकों की सेवा एक चुनौती भरा कार्य हैं. ऐसे प्रशिक्षण से कार्यों में गुणवत्ता आती है. इसी क्रम में केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के श्रमिक शिक्षा अधिकारी श्री अरविन्द एस.धुर्वे ने बिजली कर्मियों को प्रशिक्षण दिया उनके साथ रायपुर क्षेत्र के कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा तनावमुक्त जीवन व शून्य दुर्घटना आधारित दो दिवसीय योग एवं कर्मचारी विकास प्रशिक्षण दिया गया.

शिविर में गरियाबंद संभाग के समस्त वितरण केन्द्रों के 30 अधिकारी / कर्मचारी शामिल हुए. श्रमिक प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों और आयोजकों में से सर्व श्री एम.के. वर्मा, बलराम प्रधान आदि ने अतिथियों का स्वागत किया. श्री मनोज वर्मा ने प्रतीक चिन्ह भेंट कर अतिथियों को सम्मानित किया. आभार प्रदर्शन सहायक अभियंता श्री एल.एल.साहू ने किया तथा संचाल कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा किया गया.

मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना में विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस पर मड़वा ताप विद्युत परियोजना कार्यक्रम मुख्य अभियंता श्री ए.के. सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया जिसमें कर्मचारियों तथा अधिकारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सिंह ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कारकों तथा उनसे बचाव की सारगर्भित जानकारी दी. विशिष्ट अतिथि द्वय अति.मुख्य अभियंता श्री एस.पी.चेलकर तथा श्री ए.के. जैने ने विश्व पर्यावरण दिवस की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किये. श्री जे.आर. वर्मा वरिष्ठ रसायनज्ञ ने परियोजना में पर्यावरण संरक्षण के लिए लगाए जाने वाले विभिन्न उपकरणों तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने हेतु पर्यावरण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया.

पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कविता में प्रथम पुरस्कार श्री जी.पी.मिश्रा, द्वितीय श्री सोमेश साहू, तृतीय श्री अनिल कुमार राठौर को प्राप्त हुआ. इसी प्रकार नारा प्रतियोगिता में श्री अजय बांधे प्रथम, श्री बृजेश अग्रवाल द्वितीय तथा श्री जी.पी. तृतीय पुरस्कार के हकदार बने. विजयी प्रतिभागियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को पर्यावरण के प्रति सजगता-जागरूकता बरतने की प्रेरणा दी.

इस अवसर पर कालोनी परिसर में मुख्य अभियंता श्री सिंह की अध्यक्षता में तथा डॉ0 प्रशांत बनाफर डीन, कृषि महाविद्यालय जांजगीर-चांपा के मुख्य आतिथ्य में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री ए.एस.राजपूत, सहा.प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय जांजगीर-चांपा, श्री दुष्यंत कुमार सिंह, सचिव कृषक कल्याण समिति तथा सामाजिक कार्यकर्ता श्री देवेश कुमार सिंह उपस्थित थे. अतिथियों ने वृक्षारोपण की महत्ता, उन्नत कृषि, पृथ्वी के बढ़ते हुए तापमान तथा समुद्र जल स्तर, जलवायु परिवर्तन आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये. कार्यक्रम का संचालन श्री जी.आर.देवदत्त तथा आभार प्रदर्शन श्री जे.आर.वर्मा ने किया.

पर्यावरण संरक्षण हेतु हसदेव ताप विद्युत गृह में सकारात्मक प्रयास

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा-पश्चिम में श्री ओ.सी.कपिला, मुख्य अभियंता के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सकारात्मक प्रयास किये गये.

जन-मानस में पर्यावरण संरक्षण चेतना जागृति हेतु एक जन जागरण रैली का आयोजन किया गया शिसमें ह.ता.वि.गृ. में कार्यरत् अधिकारी एवं कर्मचारी तथा आवासीय परिसर के बच्चों ने बढ़चढ कर भाग लिया. रैली के समापन स्थल पर मुख्य अभियंता द्वारा अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों जैसे बिजली एवं जल के मितव्ययता पूर्वक उपयोग करने के साथ ही प्लास्टिक थैलियों का प्रयोग नहीं करने पर बल दिया गया. इस हेतु उपस्थितनों को शपथ दिलवाकर, पर्यावरण संवर्धन हेतु एक सफल

प्रयास शुरू किया गया.

बच्चों में पर्यावरण संरक्षण हेतु चेतना जागृत करने के लिये एक रोचक प्रश्न मंच का कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा छात्र-छात्राओं के विभिन्न वर्गो के लिए 'पर्यावरण संरक्षण के लिये आवाज उठायें, समुद्र स्तर नहीं' विषय पर श्रीमति मालती जोशी वरिष्ठ रसायनज्ञ व श्री सुधीर मिश्रा पाली रसायनज्ञ के निर्देशन में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई. चित्रकला के सफल प्रतिभागियो में शामिल वर्ग अ में प्रथम स्थान-मास्टर अनिमेश डहरवाल, द्वितीय-कु. अनिंदता कुजुर, तृतिय-कु. भाव्या बरदिया, एवं सांत्वना-मास्टर अंषुल टोप्पो, वर्ग ब- में प्रथम स्थान-कु. शुभाग्या श्रीवास्तव, द्वितीय- कु. आशा लता राज, तृतीय-कु. तितिक्षा कोसे एवं सांत्वना-कु. शैरण मैथ्यु, वर्ग स में प्रथम स्थान-कु. रागिनी कोसे, द्वितीय- कु. इशिता कोसरिया, तृतीय-कु. प्रशंसा एवं सांत्वना-प्रशस्त तथा वर्ग द- में प्रथम स्थान- सार्थक नेमा द्वितीय-सिद्धांष श्रीवास्तव, तृतीय-अमृतमय विश्वास के बनाये चित्र पुरस्कृत हुये. अन्य बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिये गए.

पर्यावरण संरक्षण में अपनी प्रत्यक्ष भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु आवासीय परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें श्री ओ. सी. कपिला मुख्य अभियंता (उत्पादन), श्री एन.के बिजौरा, अति.मुख्य अभियंता (संचा./संधा.), श्री ऐ.के. व्यास, अति. मुख्य अभियंता (सिविल), श्री पी के. सेलेट वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ, श्री राजेश तिवारी मुख्य रसायनज्ञ, श्री पी.के.दवे, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी, श्री टी. डी.मोहरे,वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारीयों ने हिस्सा लिया एवं पौधे रोपित किये.

परिचयावली...

कार्यपालक निदेशक श्री ओमप्रकाश ओझा

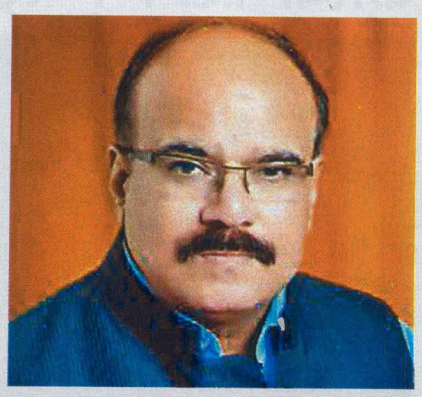

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी में कार्यपालक निदेशक (सिविल परियोजना) के पद पर सेवारत श्री ओमप्रकाश ओझा का जन्म 05 अक्टूबर 1955 को मनासा जिला नीमच (म0प्र0) में हुआ। अपनी माता श्रीमती शांति देवी एवं पिता श्री नाना लाल जी के आदर्शों से जीवन में अनवरत आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको मिली। आपने वर्ष 1971 में हायर सेकण्डरी की परीक्षा मनासा से उर्त्तीण की। इस परीक्षा की राज्य स्तरीय प्रावीण्य सूची में आपको उत्कृष्ट स्थान प्राप्त हुआ। आगे अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुये वर्ष 1976 में बी.ई. (सिविल) की उपाधि प्रथम श्रेणी में एमएएनआईटी भोपाल से अर्जित की।

शिक्षा की पूर्णता के उपरांत आपने अपने कैरियर का शुभारंभ वर्ष 1977-78 में सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) के रूप में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल से किया। इस दौरान कोरबा एवं जबलपुर में आप पदस्थ रहे। आगे वर्ष 1978 से 1990 तक सहायक अभियंता के नियमित पद पर देवास, सारणी, उज्जैन, जबलपुर एवं छिंदवाड़ा में अपनी सेवायें दी। वर्ष 1990 में आपको कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इस पद पर आपने कोरबा पश्चिम, जबलपुर और टोन्स जल विद्युत परियोजना, रीवा में अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निवर्हन किया।

सेवायात्रा में आपकी उत्कृष्ट सेवाओं का प्रतिफल आपको वर्ष 2005 में अधीक्षण अभियंता तथा वर्ष 2010 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति के रूप में प्राप्त हुआ। इन पदों पर आपको कोरबा पूर्व एवं कोरबा पश्चिम में संचालित विद्युत गृहों के संधारण तथा 2×250 मे.वा. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत परियोजना, 1×500 मे.वा. विस्तार ताप विद्युत परियोजना कोरबा पश्चिम एवं 2×500 मे.वा. मड़वा-तेन्दूभाठा ताप विद्युत परियोजना के निर्माण में अपनी कार्यदक्षता को प्रदर्शित करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। आपकी कार्यदक्षता का मूल्यांकन करते हुये पॉवर कंपनी द्वारा वर्ष 2012 में मुख्य अभियंता तथा सितम्बर 2013 में कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर आपको पदोन्नति दी गई एवं आपकी पदस्थापना कंपनी मुख्यालय रायपुर के सिविल परियोजना कार्यालय में की गई।

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विद्युत विकास में अपनी 37 वर्षीय सफलतम सेवा यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में सी.टी.आई. के चौथें बैच में प्रशिक्षण के दौरान आपको सर्वोच्च स्थान पर रहने का गौरव प्राप्त हुआ। आपने रूडकी विश्वविद्यालय से वर्ष 1988 में "फाउण्डेशन फॉर स्ट्रक्चर्स" विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। कोरबा पूर्व में स्थापित डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह एवं कोरबा पश्चिम में स्थापित 1×500 मे.वा. विस्तार ताप विद्युत गृह को रिकार्ड टाईम पर क्रियाशील करने में भी आपकी उल्लेखनीय भूमिका रही है। बागवानी एवं संगीत में आपकी विशेष अभिरूचि है।

आदर्शिनी महिला मण्डल का स्थापना दिवस

आदर्शिनी महिला मण्डल रायपुर द्वारा 27 जून 14 को अध्यक्षा किरण सिंह एवं संस्थापक सदस्या श्रीमती अंजली चंद्रा की उपस्थिति में स्थापना दिवस मनाया गया। सचिव नीलम मेहता ने गणेशजी की पूजा, अर्चना कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर प्रेरणा अंध विद्यालय की कन्याओं एवं संगीत शिक्षिका वंदना पवार जी ने उत्कृष्ट भजन की प्रस्तुति दी। क्लब की सदस्याओं में शामिल आभा शुक्ला, दीपांजलि भालेराव, वंदना तेलंग आदि महिलाओं ने भी भजन में शमा बांधा। महिला मण्डल के नये सत्र के शुरूआत पर सभी ने एक दूसरे को बधाई दी।

कोरबा पश्चिम में "स्ट्रेस एण्ड टाईम मैनेजमेंट" पर संगोष्ठी का आयोजन

कोरबा में एच.टी.पी.एस के सभागार क्रं - 1 में स्ट्रेस एण्ड टाईम मैनेजमेंट पर एक सेमिनार का आयोजन 27 जून 2014 को किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि एवं प्रवक्ता बिहार स्कूल ऑफ योगा के सन्यासी आचार्य तेजोमयानंद सरस्वती जी को मुख्य अभियंता श्री ओ.सी. कपिला ने श्रीफल एवं साल के द्वारा सम्मान कर किया। अति. मुख्य अभियंता श्री ए.के. व्यास, श्री एन.के. बिजौरा एवं श्री एस.एम. गोवर्धन द्वारा स्वामी जी के सहयोगियों का श्रीफल एवं साल के द्वारा सम्मान किया गया। श्री स्वामी जी द्वारा ओम महामंत्र एवं कीर्तन के साथ सेमिनार की शुरूआत की गई, स्वामी जी ने तनाव एवं उसके कारणों को सजगता द्वारा जानना एवं उनके निराकरण पर जोर दिया। इस संदर्भ में योग प्रणायाम तथा ध्यान की दैनिक जीवन में जरूरत और तनाव प्रबंधन के लिए उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अतिथि वक्ता द्वारा पांच कोषों की जानकारी, नियमित दिनचर्या तथा आहार नियंत्रण पर उपयोगी जानकारी दी। तुरंत तनाव नियंत्रण के लिए, कम समय के प्रणायाम का अभ्यास, सभागार में उपस्थित सभी लोगों से करवाया गया। अंत में श्री कपिला जी ने स्वामी जी के बातों को जीवन में आत्मसात् करने का आह्वान किया गया तथा कम समय के लिए किंतु प्रतिदिन प्रणायाम करने की सलाह दी । कार्यक्र म में एच.टी.पी.एस. के अधिकारीयों के अलावा एन.टी.पी.सी. के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

इतिहास पटल...

बछेंद्री पाल विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला हैं. उन्होंने 23 मई 1984 को दोपहर 1 बजकर सात मिनट पर यह उपलब्धि हासिल की थी. उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी में एक खेतिहर परिवार में जन्मी बछेंद्री ने बी.एड. किया, लेकिन किसी स्कूल में शिक्षिका बनने के बजाय उन्होंने पेशेवर पर्वतारोही का पेशा अपना लिया, हालांकि इसके लिए उन्हें परिवार और रिश्तेदारों के भारी विरोध का सामना भी करना पड़ा. बछेंद्री को पर्वतारोहण का पहला मौका 12 साल की उम्र में मिला, उस वक्त उन्होंने अपने स्कूल के सहपाठियों के साथ 400 मीटर की चढ़ाई की थी. भारतीय अभियान दल के सदस्य के रूप में माउंट एवरेस्ट पर आरोहण के कुछ समय बाद उन्होंने इस शिखर पर महिलाओं के एक टीम के अभियान का सफल नेतृत्व किया. 198 4 में उन्होंने महिलाओं के गंगा नदी में हरिद्वार से कलकत्ता तक 2500 किमी लंबे नौका अभियान का नेतृत्व भी किया. भारत सरकार ने इस साहसी नारी को पद्मश्री से सम्मानित किया.

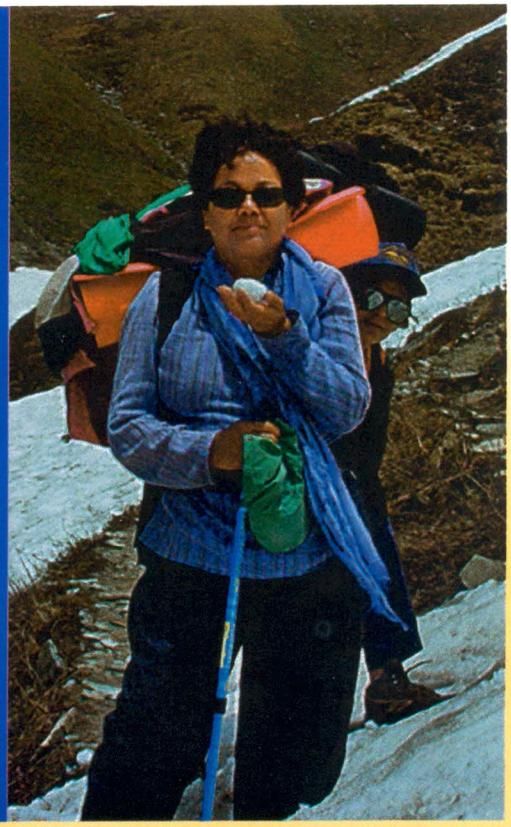

जरा हंस लें

संजय (दूध वाले से)- क्यों भाई तुम्हारी भैंस और तुममें क्या फर्क है जानते हो?

दूधवाला- जी, वो शुद्ध दूध देती है। मैं पानी मिलाकर देता हूं और नकदी देती है पर मैं उधारी देता हूं।

लोककला को प्रचारित करने मान. गडकरी से सम्मानित हुए श्री मिश्रा

लोककलाओं का कुबेर छत्तीसगढ़ के लोकगीत, संगीत ने विश्व में भारत को विशेष पहचान दी है। छत्तीसगढ़ की कला को गॉव के चौपाल से निकालकर राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर स्थापित करने में अनुरागधारा लोकमंच के कलाकार अग्रणी बने हुये हैं। इस संस्था से सम्बद्ध छत्तीसगढ़ पॉवर कम्पनी के उपमहाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा को संस्था की सुप्रसिद्ध लोकगायिका श्रीमती कविता वासनिक एवं अन्य कलाकारों के साथ नागपूर (महाराष्ट्र) में श्री नीतिन गडकरी (केन्द्रीय परिवहन मंत्री) से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ। सिंगल डिप्टी नागपूर (महाराष्ट्र) में आयोजित छत्तीसगढ़ी मड़ई के मंच पर श्री नीतिन गडकरी मुख्य अतिथि की आसंदी से उपस्थित थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं विरासत को देश के लिये अनमोल धरोहर निरूपित करते हुये कलाकारों को छत्तीसगढ़ रत्न की संज्ञा देकर सम्मानित किया। संस्था के मंच पर सुआ, कर्मा, ददरिया, पंथी, रिलो जैसे नयनाभिराम नृत्य-संगीत की प्रस्तुति के दौरान उद्घोषक के दायित्व का निवर्हन करते हुये श्री विजय मिश्रा ने छत्तीसगढ़ी लोककलाओं की जानकारी दी।

छत्तीसगढी काव्य संग्रह "तोर मन लगय तब" का विमोचन

तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर में कार्यालय सहायक श्रेणी-2 के पद पर कार्यरत रसिक बिहारी अवधिया द्वारा लिखित छत्तीसगढी काव्य संग्रह "तोर मन लगय तब" का विमोचन रायगढ़ में देश के नामचीन कवि आलोचक, समीक्षक डॉ0 बलदेव साव के निवास पर 27 मई 2014 को संपन्न हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वयोवृद्ध जनकवि आनंदी सहाय शुक्ल एवं अध्यक्ष श्री शिवकुमार पांडेय थे.

इस अवसर पर काव्य गोष्ठी का भी आयोजन किया गया शिसमें रायगढ़ के साहित्यकारों के अलावा प्रसिद्ध बाल गीतकार शंभू शर्मा व रामनाथ साहू डबरा से उपस्थित हुये. श्री रसिक बिहारी की प्रथम कृति "कवि कुलगुरू कालिदास के" ऋतु संहारम का छत्तीसगढ़ी अनुवाद है जो कि बारह वर्ष पूर्व प्रकाशित हो चुका है. अवधिया जी की अप्रकाशित रचनाओं में मधुशाला का छत्तीसगढ़ी अनुवाद, परसाई जी छत्तीसगढ़ी में, ईसुरी की फागें (छत्तीसगढ़ी अनुवाद) आखर गोजा आदि है.

तोर मन लगय तव,
कभू झन रीसा
अपन रीस ह
अपनेच ल खाथे

आखिर म
पछतउल हांत आये
कभू झन रीसा।
तोर मन लगय तव,

भरोसा कर
भरम झन
भरोसा सब ल
सेट कर देथे

अऊ
भरमाभूत ह
मटियामेट
कर देथे।

वॉकिंग यानी टहलने के फायदों से भला कौन अनजान होगा। आम मान्यता है कि जो लोग युवावस्था में टहलना शुरू कर देते हैं, वही इसके फायदे उठा पाते हैं। लेकिन हाल के एक अमेरिकी अध्ययन से पता चला है कि टहलना शुरू करने के लिए कोई उम्र ज्यादा नहीं होती। जो लोग अधेड़ावस्था में भी टहलना शुरू करते हैं, वे हार्ट फेल, स्ट्रोक, डायबिटीज और अल्जाइमर जैसी समस्याओं से उन लोगों की तुलना में काफी ज्यादा सुरक्षित रहते हैं, जो कि ऐसा नहीं करते। अध्ययन के मुताबिक 50 की उम्र के बाद भी, सिर्फ टहलने से ही नहीं, बल्कि बागवानी, घर के कामकाज आदि छोटे-छोटे व्यायामों से भी अमूमन 65 की उम्र में होने वाली इन घातक बीमारियों से बचा जा सकता है। यूटी साउथ वेस्टर्न मेडिकल सेंटर द्वारा किए गए इस अध्ययन में 14726 पुरुषों और 3944 महिलाओं को शामिल किया गया था, जिन्होंने 26 साल पहले औसतन 49 वर्ष की आयु में कूपर सेंटर लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी के लिए अपना नामांकन कराया था, जिसमें एक व्यक्ति का 40 वर्षों का स्वास्थ्य लेखा-जोखा रखा जाता है।

श्री उमेश मिश्रा एवं श्री संजय टेम्बे प्रेस क्लब में सम्मानित

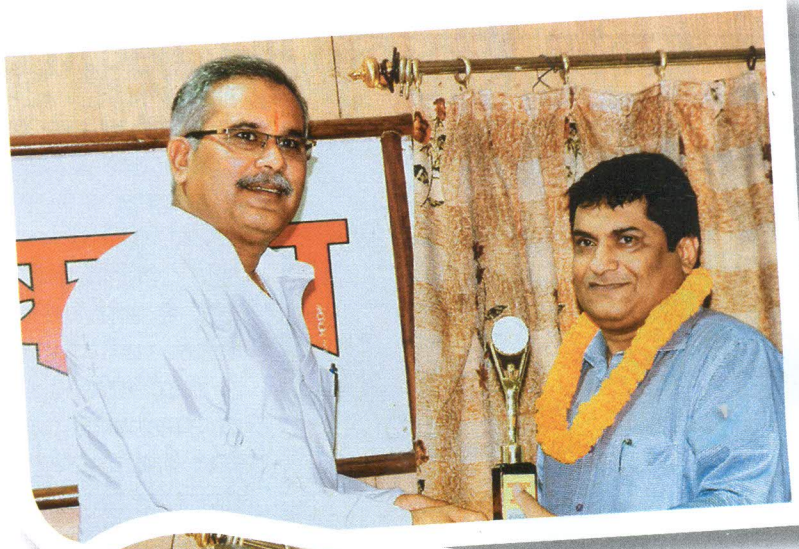

राजधानी रायपुर के प्रेस क्लब द्वारा पत्रकारिता जगत में उत्कृष्ट भूमिकाओं का निर्वहन करते हुये शासकीय सेवायात्रा हेतु चयनित पत्रकारों, छायाकारों एवं पत्रकारिता से जुड़े जनों का गरिमामय कार्यक्रम में सम्मान किया गया. 09 जून 2014 को प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी से प्रतिनियुक्ति पर संयुक्त सचिव, छ.ग. शासन मुख्यमंत्री (सचिवालय) तथा संचालक, संवाद में सेवायें दे रहे श्री उमेश मिश्रा एवं पॉवर कंपनी के जनसम्पर्क विभाग में कार्यरत छायाकार श्री संजय टेम्बे को सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ. सम्मान समारोह के विशेष अतिथि माननीय विधायक श्री भूपेश बघेल ने वरिष्ठ पत्रकार श्री गोविंद लाल वोरा, श्री रमेश नैय्यर की उपस्थिति में श्री मिश्रा एवं श्री टेम्बे को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष अनिल पुसदकर, महासचिव संदीप पुराणिक, उपाध्यक्ष संजय शुक्ला, कोषाध्यक्ष संजीव वर्मा एवं संयुक्त सचिव सुखनंदन बंजारे, मोहन तिवारी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार-छायाकार उपस्थित थे.

शिमला में सृजन दत्ता एकल नृत्य में पुरस्कृत

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंधक (मा.सं.) श्री आर.एन.दत्ता के सुपुत्र सृजन दत्ता को अखिल भारतीय नृत्य प्रतियोगिता में कथक (एकल) नृत्य की प्रस्तुति हेतु जूरी अवार्ड से विभूषित होने का गौरव प्राप्त हुआ। आल इण्डिया आर्टिस्ट एसोसिएशन द्वारा शिमला में 10 से 14 जून 14 तक आयोजित 59वॉ नृत्य एवं ड्रामा प्रतियोगिता में मास्टर सृजन ने कला विकास केन्द्र बिलासपुर की ओर से अपनी कुशल भागीदारी दी। पुरस्कार वितरण समारोह में सृजन को यह पुरस्कार फिल्म-टी.व्ही. तथा रंगमंच के सुप्रसिद्ध कलाकार श्री रोहिताश्व गौर ने पुरस्कृत किया। भिलाई में संचालित अमरेश शर्मा पब्लिक स्कूल में बारहवीं में अध्ययनरत सृजन को पूर्व में भी कलाजगत में अनेक पुरस्कार प्राप्त हुये हैं।

पॉवर कंपनी सहित प्रदेश का नाम संगीत जगत में रोशन करते श्री दिलीप षडंगी

छत्तीसगढ़ को अंधकार से उजाले की ओर सतत ले जाने में जुटी संस्था छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के कर्मी कला जगत में भी छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित कर रहे हैं। ऐसे ही कलाकारों में श्री दिलीप षडंगी का नाम अग्रिम पंक्तियों में दर्ज है। कार्यपालन अभियंता (एसटीएम) भिलाई-3 कार्यालय में पदस्थ कार्यालय सहायक श्रेणी-दो, श्री षडंगी छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ के बाहर विभिन्न राज्यों में अपनी अनूठी गायन कला से विशिष्ट पहचान बना चुके हैं।

गायन, संगीत निर्देशन, काव्य रचंना, अभिनय एवं मंचीय प्रस्तुति में इन्हें अनेक पुरस्कार, सम्मान प्राप्त हुये हैं। इन्होंने लगभग 30 छत्तीसगढ़ी फिल्मों में गायन एवं संगीत निर्देशन भी किया है। अपनी संगीत यात्रा में दमखम के साथ आगे बढ़ते हुये इन्होंने सोनू निगम, कुमार शानू, नीतिन मुकेश, अनुराधा पौडवाल, उदित नारायण, साधना सरगम, मोह0अजीज तथा अभिजीत जैसे नामचीन गायक, गायिकाओं की आवाज में अपने संगीत निर्देशन में कई छत्तीसगढ़ी, हिन्दी, उड़िया गीत, भजन एवं हास्य रचनाओं को संगीतबद्ध किया है। साथ ही फिल्म जगत के ऐसे स्थापित गायक गायिकाओं के साथ गाने का गौरव भी इन्हें प्राप्त है।

बी.एस.सी., संगीत प्रभाकर, एम.ए. तथा एल.एल.बी. की उपाधि प्राप्त श्री षडंगी अपने स्कूली जीवन से ही गीत संगीत की दुनिया में रचबस गये थे। अपनी पचपन वर्षीय जीवन यात्रा को पूर्ण करते हुये कलायात्रा के खट्टे मीठे अनुभव को वे मुनव्वर राना लिखित पंक्तियों के माध्यम से व्यक्त करते कहते हैं-

रोने में इक खतरा है, तालाब नदी हो जाते हैं
हंसना भी आसान नहीं, लब जख्मी हो जाते हैं।

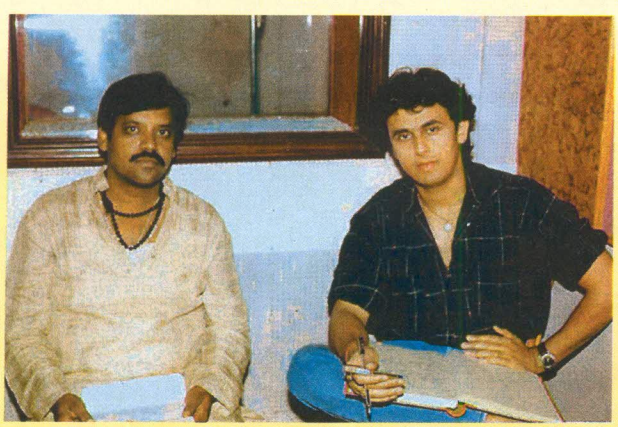

छत्तीसगढ़ी लोकगीतों एवं भजन गायिकी में महारथ हासिल श्री षडंगी अनेक राज्य एवं राष्ट्रस्तरीय महोत्सवों में प्रदेश एवं संस्था का नाम गौरवान्वित कर चुके हैं। बदलते परिवेश में गीत संगीत के प्रति बढ़ती दूरी को गंभीर चिन्तन मनन का विषय बताते हुये श्री षडंगी जी कहते हैं कि नन्हें बच्चों का बचपन गीत संगीत खेल-कूद तथा संस्कार एवं परंपराओं से दूर मशीनी युग में तब्दील होता दिखाई दे रहा है। यही वजह है कि आदमी चॉद तारों के करीब है, पर आदमी आदमी से दूर होता जा रहा है। ऐसे दौर में संयुक्त पीढ़ी की आवश्यकता भी बढ़ रही है। धर्म, संस्कार पर्व और परंपराओं से आदमी का जुड़ा होना सामाजिक अनुशासन की दृष्टि से आवश्यक है।

सफलता की सीढ़ी चढ़ते हुये हर सफल व्यक्ति को आलोचनाओं का भी शिकार होना पड़ता है। आलोचकों से दूर रहने तथा आलोचना से विचलित होने के लिये आप अपने भीतर कौन सा मंत्र बनाये रखते हैं ? पूछने पर षडंगी जी हंस कर कहते हैं कि सफलता के साथ ईर्ष्या जन्म लेती है यह हमारे विद्वजनों का भी कथन है, पर आलोचना से बचने का एक ही उपाय है कि आप अपने कार्य में एकाग्रता से जुटे रहें। वैसे भी आलोचकों की तुलना मैं रेतमाल पेपर से करता हूँ। रेतमाल पेपर किसी भी वस्तु को खरोचंता है तकलीफ पहुंचाता है, पर अन्त में स्वयं समाप्त हो जाता है, जबकि जिस वस्तु को वह खरोंचता है, वह और अधिक चमकीली हो जाती है।

संगीत की यात्रा में विशेष यादगर क्षण का उल्लेख करते हुये उन्होंने बताया कि फिल्म सिटी मुंबई में गायक नीतिन मुकेश जी के साथ एक गीत की रिकार्डिंग के दौरान मेरी आवाज की सराहना करते हुये नीतिन जी ने कहा था कि आपकी आवाज मेरे पापा मुकेश जी की आवाज के बहुत करीब है।

संगीत यात्रा, घर परिवार और कार्यालयीन

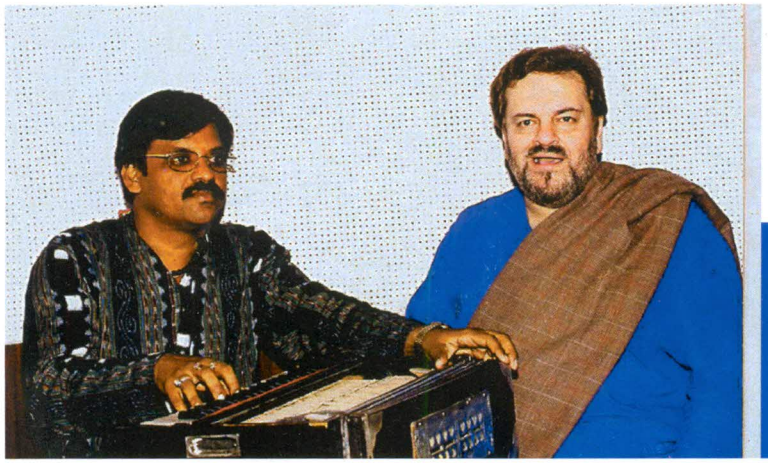

श्री षड़ंगी द्वारा रचित ऑडियो-वीडियो कैसेट की एक झलक-

बिजली बचावा-बिल पटावा

बिजली बिल पटावा भाई मन
घर के पावर मिल दुकान के
छत्तीसगढ़ ला आगु बढ़ाबो
गौ की ईमान से

गरी फंसाके बिजली जलाना
चोरी हावय भाई चोरी
बिन मतलब के लाईट जलाना
हावय हमर कमजोरी
जेतकी जरूरी जलाबो
आवा जी बिजली बचाबो

बिल भी कम आही जब
बात ला मान जाबो
पटाए सकबो आसान से
छत्तीसगढ़ ला आगु बढ़ाबो
गौ की ईमान से

दिलीप षडंगी

कार्यों के मध्य समुचित तालमेल कैसे बना पाते हैं? पूछने पर वे कहते हैं कि जहां चाह, वहां राह। किसी भी व्यक्ति को जब अपनी रूचि के अनुरूप कार्य करना होता है तो वह हर परिस्थिति में अपने लिये □□□□□कार्य के अनुकूल बेहतर रास्ता निर्मित कर लेता है। मुझे भी अपने कार्यालय और घर परिवार से समुचित सहयोग मिल ही जाता है। यही मेरी सफलता का एक बड़ा कारण भी है।

चिंतन : शोक-पत्र

करीब पांच वर्ष पूर्व अपनी दादी के निधन के पश्चात, रिश्तेदारों व परिचितों को शोक-पत्र बांटने के दौरान अनेक प्रकार के अनुभवों से दो-चार होना पड़ा. कई घरों में शोक-पत्र को हाथ में लेते ही मेरे सामने उसके किनारे को जरा-सा फाड़ते थे, कई घरों में हाथ में स्वीकार करने के बजाय जमीन पर रखने के लिये कहते थे, कई घरों में घर से बाहर चौखट के पार रखने के लिये संके करते थे तो कई घरों में पीठ पीछे करते ही शोक-पत्र के टुकड़े-टुकड़े होने की भी आवाज सुनने मिलती थी. उस समय मेरे मन-मस्तिष्क में यह बात बिजली की भांति कौंधती थी कि विज्ञान के इस युग में शोक-पत्र या उसके वाहक के साथ आखिर ऐसा अप्रिय या अछूत जैसा व्यवहार क्यों? ऐसा प्रतीत होता है कि एक तरफतो हम पश्चिमी सभ्यता के वशीभूत होकर अपनी मान्य परम्पराओं व लोक मर्यादाओं को भूलते जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ऐसे मामलों में आज भी सैकड़ों साल पीछे हैं.

ये तथाकथित टोटके वाले लोग अपने किसी परिजन के दिवंगत होने पर शोक-पत्र क्यों बांटते हैं? जब दूसरों का शोक-पत्र आपको अछूत जैसा लगता है, तो जाहिर है कि दूसरों को भी यह वैसा ही लगेगा. हमें दूसरों के साथ वह व्यवहार कतई नहीं करना चाहिये जो हमें अपने लिये पसन्द नहीं होता है. काश! ऐसे लोग अपने दरवाजे के बाहर एक बोर्ड लगाकर रखते कि 'कृपया शोक-पत्र लेकर घर में प्रवेश न करें'. हो सकता है कि इससे उन्हें अमरत्व की प्राप्ति हो जाये! शोक-पत्र को अछूत मानने वाले अधिकतर लोग दूसरों के यहां शांति-भोज (तेरहवीं) आनन्दपूर्वक उदरस्थ करते देखे जा सकते हैं. इतना ही नहीं, प्रायः ये लोग अपने मृत परिजन की तेरहवीं में मांगलिक-उत्सव की भांति नाना प्रकार के व्यंजन रखकर अपनी हैसियत का मिथ्या प्रदर्शन करने से नहीं चूकते.

प्राचीन काल से हमारे जीवन में संस्कारों की महत्ता रही है. भारत में सोलह संस्कारों की सार्थक परम्परा है जिसमें 'गर्भाधान' प्रथम संस्कार एवं 'अन्त्येष्टि' अन्तिम संस्कार है. इस बीच अन्नप्राशन, विद्यारम्भ, उपनयन, विवाह आदि संस्कार उचित समय पर यज्ञीय आयोजनों के माध्यम से सम्पन्न होते हैं. जो जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित् है, और ऐसा माना जाता है कि कब होगी इसकी गणना भी ज्योतिष विज्ञान के आधार पर सम्भव है. फिर इस शाश्वत सत्य को आखिर कब तक अस्वीकार करते रहेंगे? इसी तरह किसी छोटे बच्चे द्वारा 'राम नाम सत्य है' कहने पर परिजन उसे तत्काल डांटते हुये मना करते हैं कि घर में ऐसा नहीं कहते; आखिर क्यों? अगर राम नाम को सत्य मानते हैं तो वह सर्वत्र एवं सदैव सत्य ही होगा. घर में कहने पर यह अशुभ या असत्य कैसे हो सकता है?

इस सम्पूर्ण धरती पर सम्भवतः ऐसी कोई जगह नहीं होगी जहां किसी शव को जलाया या दफनाया नहीं गया होगा. हम जहां जिस घर में रहते हैं, जिस कार्यालय में काम करते हैं, जिस सड़क पर चलते हैं, जिस जमीन पर व्यवसाय या खेती करते हैं; सम्भवतः उसके नीचे भी लाखों-करोड़ों वर्षों में कभी-न-कभी कोई-न-कोई चिर निद्रा में सोया होगा. इसीलिये कई सन्त-महात्मा कहते हैं कि श्मशान को गांव-शहर से दूर नहीं अपितु चौराहे में होना चाहिये ताकि लोग जलते हुये शव को देखकर यह सोच सकें कि एक दिन हमारी भी यही गति होनी है, इसलिये हमें बुरे कर्मों से बचना चाहिये. लेकिन हम इसके लिये तैयार नहीं होते क्योंकि हम शायद अपने बुरे कर्मों को छोड़ना नहीं चाहते?

जीवन में शुभ-अशुभ फल किसी के मांगलिक-पत्र या शोक-पत्र से नहीं, अपितु अपने कर्मों के अनुसार ही मिलता है. इसलिये परहेज शोक-पत्र से नहीं, अपितु मृतक भोज के नाम पर मिथ्या प्रदर्शन, आडम्बर तथा जूठन छोड़ने से होने वाली अन्न एवं पैसे की बर्बादी से होना चाहिये.

कमलेश सिंह बनाफर
वरि. शीघ्रलेखक, कार्या. का.नि. (पारेषण), रायपुर

नाम नहीं काम हो उत्कृष्ट

मानव जीवन में कर्म का महत्व आदिकाल से उजागर होता आया है. महान व्यक्तियों का भी कथन है कि आदमी अपने काम से जाना जाता है न कि नाम से. काम अच्छा हो तो नाम स्वमेव प्रचारित हो जाता है. इसके बावजूद नाम को लेकर आमजनों में यह धारणा बनी हुई है कि नाम वो जो सबको अच्छा लगे, इसी संदर्भ में प्रस्तुत है यह कथा -

एक व्यक्ति था जिसने हिन्दु माता पिता के यहां जन्म लिया और उसका नामकरण भी उसी धर्मानुसार रखा गया ''छेदीलाल''. जब छेदीलाल बड़ा हुआ तो उसने अपने नाम पर जो संक्षिप्त प्यार से पुकारे जाने वाले शब्दों छेदा, छिद्दा पर गौर किया तो उसे लगा कि यह तो मेरी बेईज्जती है लोग मुझे छेदा, छिद्दा कहकर पुकारते है. यदि मैं अपना धर्म परिवर्तन कर लूं तो शायद कोई अच्छा सा नाम मुझे मिल जाये, इसी सोच के साथ छेदीलाल ईसाई धर्म अपनाने पादरी जी के पास जाता है व अपनी सारी समस्या से अवगत कराता है. पादरी उससे जन्म दिनांक, माता-पिता आदि का नाम पूछते है और उसका नया नाम मिस्टर होल देते है. वह अपने नये नाम मिस्टर होल के साथ विदा होता है. जब लोगों को नये नाम की जानकारी होती है तो लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया होती है. उसका एक करीबी उसे समझाता है कि आखिर इस नाम का भी तो वही अर्थ है. पहले छेदी, छेदा और अब होल.

मिस्टर होल अपने इस नये नाम से मायूस होकर फिर धर्म परिवर्तन कर नये नाम की तलाश में इस्लाम धर्म को अपनाता है और मौलवी साहब द्वारा दिये गये नये नाम सुराख अली के साथ खुशी-खुशी विदा होता है. कुछ समय बाद जब सुराख अली नाम के अर्थ की जानकारी होती है एवं लोग कहते है कि अरे छेदीलाल! पहले तो तुम छेदी, छिद्दा थे. फिर मिस्टर होल बने और अब सुराख अली.

सुराख अली जल्दी हार मानने वालों में से नहीं थे, उन्होंने फिर एक बार धर्म परिवर्तन की सोच के साथ सिन्धी धर्म अपनाने की ठानी और एक नया नाम पाया ''बोगदा मल''. अपने नये नाम बोगदामल से प्रसन्न होकर जब वह अपने घर आये तो कुछ दिनों बाद फिर चर्चा में आ गये कि बोगदा किसे कहते है जो रेल मोटर जाने हेतु पहाड़ों में बनाई जाती है. अतः फिर निराशा हाथ लगी. बोगदा मल अब हार मान चुके थे, वे अपने करीबी मित्र के यहां गये तो उन्होंने समझाया कि अरे छेदीलाल काम अच्छे करो, स्वभाव अच्छा रखो, चाहे किसी भी धर्म से हो, सभी से प्यार करों तो लोग अच्छा कहेंगे. नाम-वाम के चक्कर में मत पड़ो, नहीं तो छेदी, छिद्दा से मिस्टर होल और मिस्टर होल से सुराख अली और सुराख अली से बोगदा मल बन जाओगे और हाथ कुछ नहीं आयेगा.

कमलेश कुमार पाठक
कार्यालय सहायक श्रेणी-दो
कार्या. उपमहाप्रबंधक (विधि)

चीनी सलाह

घातक है अधिक धन संचय की प्रवृत्ति

हममें से किसी के पास जीने के लिए अधिक समय नहीं है। हम जाते समय अपने साथ कुछ भी नहीं ले जा सकते, अतः हमें बहुत अधिक मितव्ययी होने की आवश्यकता नहीं। धन को खर्च व दान देकर आनंद उठाईये । समस्त धन अपने पुत्र व प्रपोत्रों के लिए नहीं छोडिये अन्यथा वे पराश्रित हो जायेंगे व आपके धन को प्राप्त करने के लिए आपके मृत्यु की प्रतीक्षा करेंगे। मरणोपरान्त क्या होगा, इसकी चिन्ता कभी न करे क्योंकि मिट्टी में मिल जाने के बाद कोई हमारी प्रशंसा करे या आलोचना करे, उसे हम महसूस नहीं कर सकते। अपने द्वारा अर्जित किये गये धन को प्रसन्नतापूर्वक भौतिक सुख-सुविधाओं में खर्च कर जीवन का आनंद उठाये। उपेक्षित बच्चे सही देखभाल के अभाव में आपकी संपत्ति के लिए आपके सामने ही लड़ पड़ेंगे, जो आपके लिए दुख का कारण बनेगा। आपके बच्चे स्वयं को आपकी संपत्ति के सही उत्तराधिकारी समझते है लेकिन उनकी आमदनी में आपकी हिस्सेदारी नहीं समझते। पचास वर्ष वाले आप जैसों को संपत्ति संग्रहण के लिए अपनी शरीर गलाने की आवश्यकता नही है। हमेशा स्वस्थ रहे क्योंकि आपका धन आपके स्वास्थ को वापस नहीं ला सकता।

अपनी संतानों की अधिक चिन्ता न करे, वे अपने भाग्य के स्वयं निर्माता है। उन्हें अपने पथ को स्वयं चुनने दे, उन्हें दास (आश्रित) न बनाये। उनकी सही देखभाल करे, प्यार दे, उन्हें तोहफे देकर जीवन में आनंद बढ़ाये। जीवन मंद गति से चलने वाले झूले के समान नहीं है। यह संघर्षपूर्ण है। अपनी संतानों से अधिक अपेक्षायें नहीं पाले, अधिक देखभाल व सहायता करने पर कभी-कभी वापस चुकाने के लिए वे जिंदगी भर संघर्ष ही करते रहेंगे व उनका जीवन कठिनाइयों में ही पिस जायेगा।

धनोपार्जन कब बंद करें? व उपयुक्त धन की मात्रा क्या हैं? (लाख, करोड़ या अरब) हजारों एकड़ की खेती आपके पास होने के बावजूद भी आप तीन मुट्ठी चावल व हजारों बंगले होने के बावजूद आपकों सोने के लिए रात में आठ वर्गमीटर जगह ही चाहिये। अतः जब आपके पास पर्याप्त धन हो तो उससे जीवन को आनंदपूर्वक व्यतीत करे। प्रत्येक परिवार की अपनी समस्याएं हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए अपनी तुलना दूसरों से ना कीजिये किन्तु स्वास्थ्य, आनंद, खुशी व जीवन स्तर (गुणात्मकता) के लिए मुकाबला अवश्य करें। जिन चीजों को हम बदल नहीं सकते, उनकी चिन्ता छोड़े अन्यथा उसका आप पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। आप अपनी खुशी के स्वयं निर्माता है। अच्छे कार्य करते हुये जीवन का आनंद प्राप्त करे। बिना आनंद के एक दिन बिताने का तात्पर्य है, जीवन एक दिन व्यर्थ हो जाना। अच्छा उत्साह बीमारियों का शीघ्र निदान करता है। उत्साह, उदारता व साहस से बीमारियां कभी नहीं आती। व्यायाम करें, सही मात्रा में विविध प्रकार के विटामिनयुक्त भोजन करे। इससे आपकी उम्र में निश्चित ही 20-30 वर्ष का इजाफा होगा। इन सबसे ऊपर आप सारे दोस्तों का कद्र करते हुये उनमें अच्छाइयों का प्रचार करें जिससे वे आपको हमेशा जवान बनाये रखेंगे। उपरोक्त के बिना आप जीवन में हमेशा निराशा महसूस करेंगे।

संकलन

पी.के.अग्रवाल
कार्यपालक निदेशक(मानव संसाधन)
छ.रा.पॉ.हो.कंपनी मर्या.रायपुर

नववधू की प्रार्थना

धीरे-धीरे पांव आगे बढ़ाते हुये
मन ही मन थोड़ा धबराते हुये,
कर रही हूं प्रवेश अपने घर में।।

छोड़ मां का आंचल, पिता का हाथ
चल पड़ी मैं अपने पिया के साथ,
सुख-दुख निभाने जीवन के सफर में।
कर रही हूं प्रवेश अपने घर में ।

बहनों के भीगी पलके, भाईयों के नम आंखे
रोकर दी बिदाई सभी ने लिपटा के,
दे रहे थे आशीष मन के भीतर में।।
कर रही हूं प्रवेश अपने घर में।।

सब द्वार पर मेरी नजर उतार
दे रहे आशीष बारम्बार,
स्वागत ऐसा कि मैं उड़ रही अंबर में।
कर रही हूं प्रवेश अपने घर में।।

अब बस है इतनी सी दुआ, ऐ खुदा
सास में मां मिले और ससुर में पिता,
रहे परिवार मेरा खुशियों की लहर में।
कर रही हूं प्रवेश अपने घर में।।

देवर हो भाई सा और बहन सी ननद
हर पल हो प्यार भरा, हर बात में उमंग,
आये प्यार ही नजर, मुझे सबकी नजर में।
कर रही हूं प्रवेश अपने घर में।।

मेरी पिया से कभी अनबन न हो
पिया के बिन मेरा जीवन न हो,
साथी रहूं में उनकी हर रहगुजर में
कर रही हूं प्रवेश अपने घर में।।

श्रीमती प्रणीता श्रीवास्तव
पत्नी- श्री विकास श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी
कार्या.- अधीक्षण अभियंता (अ.वृ.)
छ.रा.वि.वित.कं.मर्या., अंबिकापुर

शहरी कन्या भोज

बैठा था शान से बड़े आराम से, कर रहा था छूट्टी की तैयारी।
भूल गया श्रीमती की योजना, मत गई थी मारी।।

ढूंढ लाओं नौ कन्याओं को हुकुम हो गया जारी,
आराम करने की मेरी योजना धरी रह गयी सारी।
दिया विमाग पर जोर तब समझी लाचारी,
अष्टमी को कन्या भोज की कर ली थी तैयारी।।

कहां मिलेगी इतनी कन्या कैसे समझा पाऊंगा,
भ्रुण परीक्षण की इस दौर में कैसे नौ कन्या लाऊंगा।
देख आते कन्या का दल मन ही मन हर्षाया,
सभी कन्याओं को भोजन करने तरह-तरह से लुभाया।।

हाथ जोड़कर किया निवेदन घर में मेरे पधारो,
ग्रहण करो यह भोज हमारा घर की शान बढ़ाओं।
कन्या बोली, कन्या भोज का यह कैसा रूल है,
सात घरों में खा कर आये पेट हाऊसफुल हैं।।

श्रीमती बोली कन्याओं से हलवा, पुड़ी, खीर, मिठाई बोलो क्या चलेगा
उदासीन होकर कन्या बोली आंटी यह सब नहीं चलेगा।
कन्या बोली श्रीमती से आंटी आप शहर में नये नये हो आये,
इसलिए कन्या भोज के लिये पुराने आयटम बनाये।।

आंटी यह पुराने आयटम तो ग्रामीण कन्याये खाती है,
हम ठहरी तो शहरी कन्याएं शहरी संस्कृति भाती है।
गर भोज हमें कराना हो तो नियम हमारा चलेगा,
पेप्सी, कोला, पिज्जा, बर्गर, फास्टफुड चलेगा।।

जब शहरी कन्याएं आपके फास्टफुड का भोग लगायेगी।
सुख समृद्धि यश शांति घर में उतनी फास्ट आयेगी।।

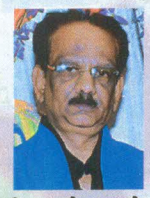

सुनील गनोवदवाले
कार्यालय सहायक वर्ग-एक
कार्यालय- कार्यपालन यंत्री नगर संभाग पश्चिम,
छ.रा.वि.वित.कं.मर्या., रायपुर मो.- 98271-19292

जरा सोचें

एक दिन दर्द ने दौलत से कहा।
तुम कितनी खुशनसीब हो
हर कोई तुम्हें पाने की कोशिश
करता है और मैं कितना बदनसीब हूं,
हर कोई मुझसे दूर भागता हैं
दौलत बोली-खुशनसीब तो तुम हो
जिसे पाकर लोग अपनों को याद करते हैं,
बदनसीब तो मैं हूं, जिसे पाकर अक्सर
लोग अपनों को भूल जाते हैं।

•••

सफल व्यक्ति कभी आराम
करने की योजना नहीं बनाता
वह हमेशा आगे बढ़ने की
योजना में जुटा रहता है
वह जानता है कि समय
कभी विश्राम नहीं करता
अतः उसके साथ-साथ
चलना जरूरी है।

हमारे गौरव

क्षितीज उपाध्याय (निखिल)

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता(संचा/संधा) वृत्त रायपुर में कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन के पद पर कार्यरत श्रीमती अंजू उपाध्याय के सुपुत्र क्षितीज उपाध्याय (निखिल) ने मदर्स प्राइड उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खमरिया जिला दुर्ग में अध्ययनरत रहते हुये केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं कक्षा 94 प्रतिशत अंक के साथ अर्जित कर प्रथम श्रेणी प्राप्त किया. बधाई...

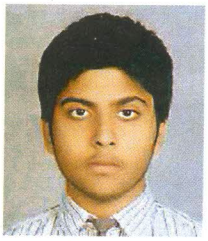

निनाद

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी में अतिरिक्त महाप्रबंधक(वित्त) श्री एस.के. थवाइत एवं वितरण कंपनी में वरिष्ठ शीघ्रलेखक पद पर कार्यरत श्रीमती मीना थवाइत के सुपुत्र निनाद थवाइत ने सी.बी.एस.ई. की दसवीं की परीक्षा में 10 सी.जी.पी.ए. अर्जित किया है। ज्ञान गंगा एजुकेशनल ऐकेडेमी रायपुर में अध्ययनरत् निनाद ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता सहित गुरूजनों को दिया है। बधाई...

कु. आशु वर्मा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के नगर संभाग मध्य रायपुर अन्तर्गत शास्त्री चौक जोन में सहायक अभियंता के पद पर पदस्थ श्री ए.के. वर्मा एवं माता श्रीमती माधुरी वर्मा की सुपुत्री कु. आशु वर्मा ने कृष्णा पब्लिक स्कूल रायपुर में अध्ययन रहते हुये बारहवीं की परीक्षा 90.4 प्रतिशत (गणित संकाय) अंको के साथ अर्जित कर प्रथम श्रेणी प्राप्त किया. बधाई...

हिमांशु नरेन्द्र सेन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कम्पनी के 132 के.व्ही. उपकेन्द्र भिलाई में टी.ए.ग्रेड-1 के पद पर कार्यरत श्री नरेन्द्र कुमार सेन के सुपुत्र हिमांशु नरेन्द्र सेन ने वर्ष 2013-14 में 10 वीं सी.बी.एस.ई. की परीक्षा में शतप्रतिशत (CGPA 10) प्राप्तांको के साथ उर्त्तीण किया. हिमांशु कृष्णा पब्लिक स्कूल नेहरू नगर भिलाई के छात्र है. इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया है. बधाई...

रितिक दीक्षित

छत्तीसगढ़ तैराकी संघ द्वारा 6वीं राज्यस्तरीय तैराकी प्रतिस्पर्धा का आयोजन 18 से 21 मई 14 तक भिलाई में किया गया. इस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी बिलासपुर में पदस्थ कार्यपालन अभियंता (कम्युनिकेशन) श्री व्ही.के. दीक्षित एवं माता श्रीमती नमिता दीक्षित के पुत्र रितिक दीक्षित ने जूनियर वर्ग में 50,100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में गोल्ड, 200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में गोल्ड, 400×4 मि.इन्डिविज्युल मिडले रिले में गोल्ड, 400×4 मि. फ्री रिले में गोल्ड, 200×4 मि. फ्री रिले में गोल्ड तथा 400×4 इन्डिविज्युल मिडले ब्रेस्ट स्टोक में सिल्वर मेडल हासिल किया है. डी.ए.व्ही.स्कूल बिलासपुर के छात्र रितिक का चयन जूनियर वर्ग में 50,100 मि. ब्रेस्ट स्ट्रोक, 200 मि. ब्रेस्ट स्ट्रोक एवं इन्डिविज्युल मिडले के लिए 41 वीं राष्ट्रीय स्पर्धा के लिये हुआ है. बधाई...

यश श्रीवास्तव

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कम्पनी के मड़वा-तेंदूभांठा ताप विद्युत परियोजना में मुख्य अभियंता कार्यालय में पदस्थ श्री अनुराग श्रीवास्तव, कार्यालय सहायक श्रेणी-दो के सुपुत्र यश श्रीवास्तव ने सी.बी.एस.ई. द्वारा आयोजित दसवीं बोर्ड की परीक्षा में वर्ष 2013-14 में 10 सी.जी.पी.ए. अंक हासिल किये. वे बिलासपुर के द जैन इन्टरनेशनल स्कूल के छात्र है. यश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया है. बधाई...

।। कुर्यात सदा मंगलम् ।।

दीप्ति संग आशीष

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता (भण्डार एवं क्रय) कार्यालय रायपुर में कार्यरत श्री सुनील कुमार ताम्रकार की सुपुत्री सौ.का. दीप्ति का शुभविवाह दुर्ग निवासी श्री प्रदीप ताम्रकार के पुत्र चि. आशीष के संग 08 मई 2014 को धमधा जिला दुर्ग में सानंद सम्पन्न हुआ. बधाई...

सोनम संग सुशांक

छ.रा.वि. उत्पादन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (सिविल-परियोजना) रायपुर के कार्यालय में पदस्थ अधी. अभियंता श्री एल.के. चौहान के पुत्र चि. सुशांक चौहान का विवाह बालाघाट निवासी स्व. श्री गुरनाम सिंह सौंधी की सुपुत्री सौ.का. सोनम (नवनीत कौर) के साथ दिनांक 02 मई 2014 को भिलाई में सोल्लास संपन्न हुआ बधाई...

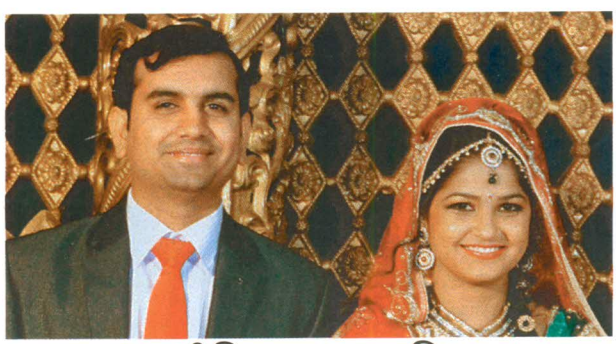

प्रीति संग मारूति

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता (भण्डार एवं क्रय) कार्यालय रायपुर में कार्यरत श्री सुनील कुमार ताम्रकार की सुपुत्री सौ.का. प्रीति का शुभविवाह सेक्टर-8 भिलाई निवासी स्व. श्री गोपी कृष्ण ताम्रकार के पुत्र चि. मारूति संग 08 मई, 2014 को धमधा जिला दुर्ग में सानंद सम्पन्न हुआ. बधाई...

दया संग शीला

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी गुढ़ियारी रायपुर में कार्यरत वरिष्ठ लेखाधिकारी-दो श्री लखन लाल परिहान के सुपुत्र चि. दया का शुभ विवाह बिलासपुर निवासी श्री रमेश कुमार की सुपुत्री सौ.का. शीला के संग 18 मई 2014 को बिलासपुर में सानंद सम्पन्न हुआ. बधाई...

दिव्या संग अनिल

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त अनुभाग अधिकारी श्री दिलीप रहेजा की सुपुत्री सौ.का. दिव्या का शुभविवाह गोंदिया (महाराष्ट्र) निवासी स्व. राजकुमार ककवानी के सुपुत्र चिरंजीव अनिल ककवानी के साथ दिनांक 13 अप्रेल 14 को रायपुर में सोल्लास संपन्न हुआ. बधाई...

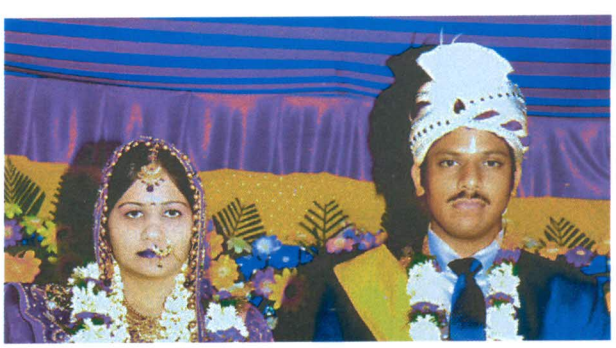

पंकज संग सुषमा

छ.रा.वि.वित.कं. मर्या., जगदलपुर में सहायक अभियंता (सिविल) के पद पर कार्यरत चि. पंकज चौधरी, आत्मज श्री हृशिकेश चौधरी का शुभविवाह सौ.का. सुषमा आत्मजा श्री पीताम्बर कश्यप के संग 18 मई 2014 को ग्राम सिंघनपुर, सरायपाली में सानंद सम्पन्न हुआ. बधाई...

।। कुर्यात सदा मंगलम् ।।

निधि संग राजशेखर

छ.रा.वि. पारेषण कंपनी रायपुर में सेवारत अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री रामेश्वर कुशवाहा की द्वितीय सुपुत्री सौ.कां. निधि का शुभ विवाह बिलासपुर निवासी श्री रामकृष्ण कश्यप के द्वितीय सुपुत्र चि. राजशेखर के साथ 30 मई 2014 को निरंजन धर्मशाला, रायपुर में सानंद संपन्न हुआ. कोटिशः बधाई...

पीयूषकांत संग लीशा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी में कार्यपालन अभियंता(भण्डार एवं क्रय) के पद पर पदस्थ श्री अशोक कुमार साहू के सुपुत्र चि. पीयूषकांत का शुभ विवाह सौ.कां. लीशा सुपुत्री श्री पी.एम. सदानांदन के संग 08 अप्रेल 2014 को त्रिषूर (केरला) में सानंद संपन्न हुआ. बधाई...

आशुतोष संग इन्दु

छ.रा.वि. उत्पादन कं. मर्या., कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह में कार्या.सहा.श्रेणी-एक के पद पर कार्यरत श्री व्ही.के. यादव के सुपुत्र चि. आशुतोष का शुभ विवाह सौ.कां. इन्दु सुपुत्री श्री उमाशंकर के साथ दिनांक 14.05.14 को गायत्री प्रज्ञापीठ में शांतिकुंज प्रतिनिधियों के आशीर्वाद के साथ परिजनों की उपस्थिति में संपन्न हुआ. बधाई...

विवेक संग राखी

छ.रा.वि. पारेषण कंपनी के मुख्य अभियंता (परीक्षण एवं संचार) कार्यालय रायपुर में कार्यरत श्री एन.के. पटेल, कार्यालय सहायक श्रेणी-एक के सुपुत्र चि. विवेक का शुभ विवाह श्री हेमंत पटेल रायपुर की सुपुत्री सौ.का. राखी (पिंकी) के संग 21 अप्रेल 2014 को रायपुर में सानंद सम्पन्न हुआ. बधाई...

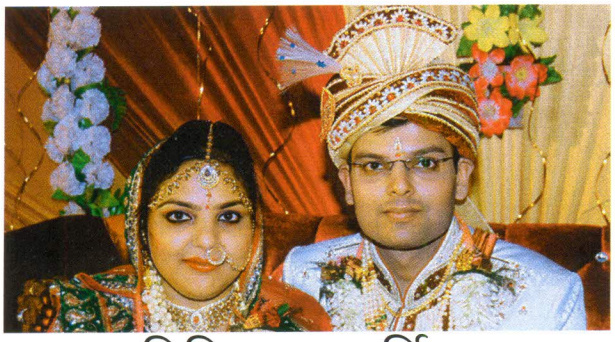

निखिल संग पूर्णिमा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी में मुख्य अभियंता के पद पर पदस्थ श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल के सुपुत्र चि. निखिल का शुभ विवाह सौ.कां. पूर्णिमा सुपुत्री श्री रमेश कुमार शाह के संग 24 मई 2014 को रायपुर में सानंद संपन्न हुआ. बधाई...

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक, मुद्रण / प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है. - मुद्रक

मयंक ऑफसेट प्रिंटर्स कंकालीपारा, रायपुर ■ 98271-76089, 97527-11101

मातृ दिवस
11 मई, 2014 पर
विशेष...

सर में काफी दर्द है माँ...

माथे को कुछ सहला दे माँ
दुख को थोड़ा बहला दे माँ
जी हल्का हो कुछ बोलूँ मैं
या फिर थोड़ा सा रो लूँ मैं
भाग दौड़ में दिन बीता है
रातें बेहद सर्द है माँ
सर में काफी दर्द है माँ

रोज बिछुड़ते हैं कुछ अपने
खूब दगा देते हैं सपने
डर कर अक्सर उठ जाता हूँ
साये से भी घबराता हूँ
नींदे बंजर हो गई कब से
जीवन जैसे नर्क है माँ
सर में काफी दर्द है माँ...

किसकी आँख यहाँ पर नम है
हरेक आँख में पानी कम है
होड़ लगी है दौड़ रहे सब
संस्कार को छोड़ रहे सब
हर चेहरा है एक मुखौटा
चढ़ा सभी पर वर्क है माँ
सर में काफी दर्द है माँ...

किस कंधे पर सर रखते हम
किसके सर पर बोझ यहाँ कम
सबका अपना-अपना रोना
खोज रहे सब खोया सोना
सारे चेहरे एक सरीखे
कहाँ किसी में फर्क है माँ
सर में काफी दर्द है माँ...

तार-तार है सारे रिश्ते
नेकी के अब कहाँ फरिश्ते
कौन किसी का सगा यहाँ पर
भाई देगा दगा यहाँ पर
हर रिश्ते का केन्द्र अर्थ है
बाकी बातें व्यर्थ है माँ
सर में काफी दर्द है माँ...

रस्ता रोके खड़ा अंधेरा
किस खिड़की से आए सवेरा
सूरज दुबका पड़ा मांद में
लगा हुआ है ग्रहण चाँद में
दूर-दूर तक पसर गई है
काफी गहरी बर्फ है माँ
सर में काफी दर्द है माँ...

चल तुलसी तुझे राम बुलाये
चल तुलसी तुझे श्याम बुलाये
नाल गड़ी है शिस आंगन में
वो गलियाँ वो ग्राम बुलायें
कहने को है आँसू लेकिन
आँखों से अर्घ्य है माँ
सर में काफी दर्द है माँ...

अशोक शर्मा
कार्या.सहा.श्रेणी-एक
कार्या. अधीक्षण यंत्री
(संचा./संधा.)
वृत्त महासमुन्द
मो.न. 94252-15981